Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-19, अंक-20 16-31 अक्टूबर, 2024 (पाक्षिक) ₹20

यह 'विकसित भारत' के संकल्प और उसके प्रति भाजपा के समर्पण की जीत है

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव परिणाम 2024

'हरियाणा समृद्ध और जम्मू-कश्मीर संपन्न होगा'

भाजपा मुख्यालय (नई दिल्ली) में 08 अक्टूबर, 2024 को 'विजय उत्सव' के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का मंच पर स्वागत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा, केन्द्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह एवं श्री अमित शाह

भाजपा मुख्यालय (नई दिल्ली) में 08 अक्टूबर, 2024 को 'विजय उत्सव' के दौरान मंच पर उपस्थित प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा, केन्द्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह एवं श्री अमित शाह

लोधी कॉलोनी (नई दिल्ली) में 02 अक्टूबर, 2024 को 'स्वच्छता अभियान' में भाग लेते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा एवं अन्य नेतागण

हिमाचल प्रदेश में 05 अक्टूबर, 2024 को सिरमौर जिला पार्टी कार्यालय एवं देहरा भाजपा कार्यालय का उद्घाटन करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 हरियाणा में भाजपा की ऐतिहासिक हैट्रिक जीत जम्मू और कश्मीर में मत प्रतिशत में बढ़ोतरी

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव और 08 अक्टूबर, 2024 को आए परिणामों ने लगभग सभी...

09 हरियाणा ने फिर कमाल कर दिया और कमल-कमल कर दिया: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 8 अक्टूबर, 2024 को हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की...

11 यह 'विकसित भारत' के संकल्प और उसके प्रति भाजपा के समर्पण की जीत है: जगत प्रकाश नड्डा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष...

15 'स्वच्छ भारत' इस सदी में दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे सफल जन आंदोलन है: नरेन्द्र मोदी

इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने पूज्य बापू और लाल बहादुर शास्त्री जी...

31 'भारत व्यापक लोक कल्याण के लिए अपने डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को साझा करने के लिए तैयार'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 23 सितंबर को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में 'समिट...

लेख

आयुष्मान भारत मिशन: लोगों का कल्याण व उनके स्वास्थ्य की रक्षा / **जगत प्रकाश नड्डा** 20

विश्व 'मेक इन इंडिया' चाहता है / **पीयूष गोयल** 22

सेमीकंडक्टर क्रांति: भारत की तकनीकी व भू-राजनीतिक प्रभाव का नया युग / **अरुण सिंह** 24

कांग्रेस की विभाजनकारी सोच / **शिवप्रकाश** 26

'महात्मा गांधी के आदर्शों पर चल रहे हैं प्रधानमंत्री मोदी' / **सुमित्रा गांधी कुलकर्णी** 28

अन्य

हरियाणा में भाजपा की ऐतिहासिक जीत: राजनाथ सिंह 12

भाजपा के 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस' में जनता का अटूट विश्वास: अमित शाह 13

जन आंदोलन बना स्वच्छता अभियान: जगत प्रकाश नड्डा 14

स्वच्छ भारत मिशन के 10 वर्ष: एक रिपोर्ट 16

देश भर में 13,822 जन औषधि केंद्र स्थापित 18

प्रधानमंत्री ने ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स 2024 में भारत के 39वें स्थान पर पहुंचने की सराहना की 19

सिरमौर और देहरा में नवनिर्मित भाजपा जिला कार्यालयों का उद्घाटन 21

मोदी स्टोरी 32

कमल पुष्प 32

'मन की बात' 33

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए विष्णु मित्तल द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। संपादक- डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

भाजपा अपनी नीति और निर्णयों से वंचित समाज को निरंतर आगे बढ़ा रही है और कांग्रेस उन्हें सिर्फ लूटना चाहती है। फर्क साफ है!

(05 अक्टूबर, 2024)

जगत प्रकाश नड्डा

हमारी पार्टी वैचारिक प्रतिष्ठानों की पार्टी है, ये सत्ता को हासिल करने की पार्टी नहीं है, बल्कि विचारों के लिए जिंदगी देने की पार्टी है। 5-5 पीढ़ियां खप गईं, तब जाकर हमें भाजपा का भव्य स्वरूप देखने को मिला है।

(05 अक्टूबर, 2024)

अमित शाह

जनजातीय क्षेत्रों में विकास अगर अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है, तो नक्सलवाद को पूरी तरह से समाप्त करना होगा और मोदी सरकार इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

(07 अक्टूबर, 2024)

राजनाथ सिंह

'अग्निवीर' को लेकर कांग्रेस देश को गुमराह कर रही है। कांग्रेस ने एक बड़ा झूठ बोला कि मिलिट्री में सेवा के दौरान यदि अग्निवीर की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु हो जाती है तो उसके परिवार को कुछ नहीं मिलता। खड़ा झूठ बोलने का इससे बड़ा उदाहरण मैंने नहीं देखा है।

(02 अक्टूबर, 2024)

बी.एल. संतोष

हरियाणा में भाजपा लगातार तीसरी बार सरकार बनाने वाली पहली पार्टी बन गयी है। दस साल बाद भाजपा 8 अधिक सीटें जीतकर वापसी कर रही है। इसे समझें! पूरी तरह से समझें!

(8 अक्टूबर, 2024)

नितिन गडकरी

विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता और भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को संवैधानिक पद और सार्वजनिक जीवन में 23 वर्ष पूरे करने पर हार्दिक बधाई एवं बहुत शुभकामनाएं। मा. प्रधानमंत्री जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रहित और जनसेवा के लिए समर्पित रहा है। गरीब, मजदूर, किसान तथा देश की सेवा में समर्पित इन 23 वर्षों में विश्व में उनके साथ-साथ भारत की भी लोकप्रियता और गरिमा निरंतर बढ़ती रही है। एक राष्ट्रसाधक के रूप में देशवासियों के लिए समर्पित उनकी जीवन यात्रा के हम सब साक्षी रहे हैं।

(7 अक्टूबर, 2024)

संपादकीय

हरियाणा में भाजपा को ऐतिहासिक जनादेश

जम्मू-कश्मीर में महका लोकतंत्र व भाजपा की सीटें बढ़ीं

हाल में संपन्न विधानसभा चुनावों के परिणाम ऐतिहासिक हैं। ये परिणाम कई मायनों में अद्भुत हैं तथा देश के लिए दूरगामी महत्व रखते हैं। हरियाणा की जनता ने न केवल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई एवं सुदृढ़ नेतृत्व में अपना अटूट विश्वास दिखाया है, बल्कि 'विकसित भारत' के स्वप्न को भी समर्थन दिया है। अपने निर्माण काल के बाद से यह पहली बार है जब हरियाणा में कोई सरकार लगातार तीसरी बार जनता का आशीर्वाद प्राप्त करने में सफल हुई है। इन चुनावों में जनता ने अपना भरपूर आशीर्वाद के साथ-साथ पहले से भी अधिक सीटें एवं अधिक मत-प्रतिशत से भाजपा को जिताया। लगातार तीसरी बार भाजपा सरकार का बनना एक रिकॉर्ड है, जो 'परफॉर्मेंस एवं विकास' की राजनीति की शक्ति को दर्शाती है। जहां हरियाणा में भाजपा सरकार ने कांग्रेस काल की जनता की धन की भारी लूट, नौकरियों एवं सरकारी तंत्र में फैले भयंकर भ्रष्टाचार, कुशासन एवं विभाजनकारी राजनीति से लोगों को मुक्ति दिलाई, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर एवं वर्तमान मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हुए अभूतपूर्व जनकल्याण के कार्यों से परफॉर्मेंस एवं विकास की नई गाथा लिखी गई है।

पिछले दस वर्षों की यात्रा ने पूरे हरियाणा का कायाकल्प कर इसे विकास एवं सामाजिक परिवर्तन के क्षेत्र में देशभर में अग्रणी बना दिया। कांग्रेस काल में एक ऐसा दौर था जब राज्य नकारात्मक समाचारों के लिए देशभर में चर्चित था, परंतु अपनी अनुपम उपलब्धियों से यह आज पूरे देश का मस्तक ऊंचा कर रहा है। समाज के गरीब, किसान, वंचित, पीड़ित, शोषित, महिला एवं युवा के लिए मोदी सरकार की अभिनव योजनाओं के सफल कार्यान्वयन से इन वर्गों का व्यापक सशक्तीकरण हुआ है। लागत की डेढ़ गुणा एमएसपी एवं कई अन्य फसलों की एमएसपी, पीएम-किसान सम्मान योजना, फसल बीमा एवं खेती के उन्नत तरीकों से आज हरियाणा के किसान देश के अनाज निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। विश्वस्तरीय अवसंरचना, खेलकूद की सुविधा, एम्स, आईआईटी एवं अन्य प्रतिष्ठानों के निर्माण से युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के द्वार खुले हैं। महिलाओं को कल्याणकारी योजनाओं के केन्द्र में रखने के परिणामस्वरूप राज्य में न केवल लिंग अनुपात में भारी सुधार हुआ है, बल्कि बड़ी संख्या में 'लखपति दीदी' भी बन रही है। यह राज्य के सर्वांगीण विकास, जिसे हर ओर देखा जा सकता है, का ही परिणाम है कि राज्य की जनता ने 'नॉनस्टॉप हरियाणा' को अपना आशीर्वाद दिया है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के परिणाम राज्य में विकास के नए अध्याय की शुरुआत करेंगे। जहां नेशनल कॉन्फ्रेंस अपने सहयोगी दलों के साथ सरकार बनाने जा रही है, वहीं भाजपा को न केवल सबसे अधिक मत प्राप्त हुए हैं, बल्कि पिछली बार से यह अपनी सीटें बढ़ाने में भी सफल हुई है। अब जबकि लोगों के आशीर्वाद तथा घाटी की कई सीटों पर अपने बेहतरीन प्रदर्शन से भाजपा उत्साहित महसूस कर रही है, यह चुनाव जनसंघ के दिनों से धारा 370 पर इसके मत की पुष्टि करते हैं। चुनावों के शांतिपूर्ण एवं सफल संचालन, चुनावों में भारी जनभागीदारी तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति लोगों का उत्साह भारतीय लोकतंत्र को और अधिक मजबूती दे रहा है। आज जब जम्मू-कश्मीर आतंकवाद एवं अलगाववाद से बाहर निकला है, धारा 370 के निरस्त होने से राज्य में सच्चे लोकतंत्र, विकास एवं सुशासन को नई सुबह होगी। जहां यह परिणाम उत्साहित करने वाला है, वहीं लोकतंत्र का मजबूत होना अभिनंदनीय है।

> **हरियाणा एवं जम्मू-कश्मीर की जनता ने अपना जनादेश दे दिया है, कांग्रेस की विभाजनकारी राजनीति की पराजय हुई है। यह अत्यंत दुभाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस एवं इसके सहयोगी दल जनाकांक्षाओं को समझने में असफल हैं तथा अपनी पराजय से कोई सीख नहीं लेना चाहते**

अब जबकि हरियाणा एवं जम्मू-कश्मीर की जनता ने अपना जनादेश दे दिया है, कांग्रेस की विभाजनकारी राजनीति की पराजय हुई है। यह अत्यंत दुभाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस एवं इसके सहयोगी दल जनाकांक्षाओं को समझने में असफल हैं तथा अपनी पराजय से कोई सीख नहीं लेना चाहते। कांग्रेस नेतृत्व अपनी अप्रासंगिकता को अभी तक स्वीकार नहीं कर पाई है तथा झूठ एवं अफवाह फैलाकर अपनी फरेब की राजनीति करना चाहती है। सच तो यह है कि देश को सत्तर के दौर में ले जाने की उनकी साजिश बार-बार असफल सिद्ध हो रही है। यह अत्यंत हास्यास्पद है कि वे अपनी हार का भी जश्न मनाने से नहीं चूकते। अब जबकि कांग्रेस अपनी प्रतिगामी यात्रा पर तेजी से चल रही है, लोग परफॉर्मेंस एवं विकास की राजनीति को अपना आशीर्वाद दे रहे हैं। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव परिणाम 2024

हरियाणा में भाजपा की ऐतिहासिक हैट्रिक जीत

जम्मू और कश्मीर में मत प्रतिशत में बढ़ोतरी

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव और 08 अक्टूबर, 2024 को आए परिणामों ने लगभग सभी चुनावी पंडितों एवं एग्जिट पोल को गलत साबित कर दिया। इन चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड बहुमत मिला है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई और दूरदर्शी नेतृत्व में हरियाणा में 'डबल इंजन' वाली भाजपा सरकार ने भव्य जीत दर्ज की और विपक्षी कांग्रेस को करारी शिकस्त दी। यही नहीं, भाजपा ने हरियाणा के इतिहास में पहली बार 90 सदस्यीय विधानसभा में 48 सीटें जीतकर ऐतिहासिक हैट्रिक भी लगायी है। पार्टी ने निवर्तमान विधानसभा की तुलना में आठ अधिक सीटें जीतकर अपने प्रदर्शन में सुधार किया और लगभग 40 प्रतिशत मत प्रतिशत हासिल किया।

राज्य की 48 सीटों पर जीत हासिल करके भाजपा ने 90 सदस्यीय हरियाणा विधानसभा में स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा का यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है, इससे पहले 2014 में भाजपा ने 47 सीटें जीती थीं। वहीं, कांग्रेस केवल 37 सीटें ही जीत पाई।

हरियाणा में भाजपा की यह प्रचंड जीत निःस्संदेह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में किसानों, गरीबों, पिछड़ों, महिलाओं और युवाओं की अटूट आस्था की जीत है। चाहे वह केंद्र में लगातार तीसरी बार लोकसभा चुनाव हो या हरियाणा, गुजरात, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में भाजपा की बार-बार सरकार बनना, यह दर्शाता है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने भारतीय राजनीति में 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉरमेंस' के जिस नए युग की शुरुआत की है, उसमें जनता का अटूट विश्वास है। हालांकि, पहले लोकसभा चुनाव और अब हरियाणा में जनता ने वोट पाने के लिए झूठे और खोखले वादे करने वाली कांग्रेस को पूरी तरह से नकार दिया है।

भारतीय चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार हरियाणा विधानसभा में भाजपा ने 90 सीटों में से 48 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस 37 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही। इंडियन नेशनल लोकदल (आईएनएलडी) को दो सीटें मिलीं और निर्दलीयों को तीन सीटें प्राप्त हुईं। इन चुनावों में आम आदमी पार्टी और जननायक जनता पार्टी को राज्य की लगभग सभी सीटों पर हार का सामना करना पड़ा और उनकी जमानत जब्त हो गई।

भाजपा की हैट्रिक जीत के बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने जीत का श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को दिया। श्री सैनी ने कहा, "मैं हरियाणा के 2.8 करोड़ लोगों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूं जिन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की नीतियों में भरोसा जताया है। यह हरियाणा के किसानों, गरीबों, महिलाओं और युवाओं की जीत है। लोगों ने हरियाणा के लिए प्रधानमंत्री मोदी के काम के लिए वोट दिया है। यह एक ऐतिहासिक जीत है। मोदी जी के आशीर्वाद से हम तीसरी बार हरियाणा में सफल हुए हैं।"

हरियाणा चुनाव परिणामों की प्रमुख बातें

- हरियाणा विधानसभा की 90 सीटों के लिए 05 अक्टूबर, 2024 को मतदान हुआ और वोटों की गिनती 08 अक्टूबर, 2024 को हुई।
- हरियाणा चुनाव 2024 में प्रमुख मुकाबला भाजपा, कांग्रेस, आप, जेजेपी और इनेलो के बीच था।
- 90 सदस्यीय विधानसभा में 48 सीटें जीतकर भाजपा ने ऐतिहासिक हैट्रिक जीत हासिल की और ऐसा हरियाणा के इतिहास में पहली बार हुआ है।
- 48 सीटों के साथ भाजपा ने हरियाणा विधानसभा चुनावों में अपना अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ चुनावी प्रदर्शन किया है, पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2014 में किया था, जब पार्टी ने 47 सीटें जीतीं थी।
- लगभग 40 प्रतिशत वोट शेयर के साथ भाजपा ने निवर्तमान विधानसभा की तुलना में 08 विधानसभा सीटें अधिक जीतकर अपने प्रदर्शन में सुधार किया है।
- मुख्य विपक्षी कांग्रेस केवल 37 सीटें जीतने में सक्षम हुई, जिसके परिणामस्वरूप पार्टी को बड़ा झटका लगा।
- इंडियन नेशनल लोकदल-आईएनएलडी को 2 सीटें मिलीं, जबकि निर्दलियों को 3 सीटें मिलीं। ऐसे ही आम आदमी पार्टी और जननायक जनता पार्टी को लगभग सभी सीटों पर हार का सामना करना पड़ा और उनकी जमानत जब्त हो गई।

हरियाणा में दलवार परिणाम	
दल	**कुल**
भारतीय जनता पार्टी - भाजपा	48
इंडियन नेशनल कांग्रेस - आईएनसी	37
इंडियन नेशनल लोक दल - आईएनएलडी	2
निर्दलीय - आईएनडी	3
कुल	**90**

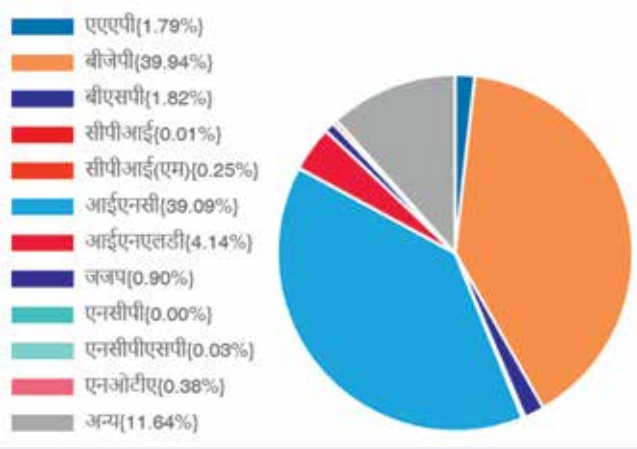

जम्मू-कश्मीर चुनाव परिणामों की प्रमुख बातें

- जम्मू-कश्मीर विधानसभा की 90 विधानसभा सीटों के लिए 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को क्रमशः 3 चरणों में चुनाव आयोजित किए गए और परिणामों की घोषणा 08 अक्टूबर, 2024 को हुई।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में अनुच्छेद 370 और 35 (ए) को निरस्त करने के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर विधानसभा के लिए चुनाव आयोजित किये गये थे।
- केंद्रशासित प्रदेश के 90 सदस्यीय सदन में भाजपा ने 25.64 प्रतिशत वोटों के साथ 29 सीटें प्राप्त कीं।
- 25.64 प्रतिशत के साथ भाजपा ने जम्मू-कश्मीर में सबसे अधिक वोट शेयर हासिल किया।
- ऐतिहासिक और सराहनीय प्रदर्शन करते हुए भाजपा ने जम्मू और कश्मीर में वोट शेयर एवं सीट की संख्या दोनों में बढ़ोतरी की।
- अन्य दलों में नेशनल कॉन्फ्रेंस को 23.43 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 42 सीटें मिलीं, कांग्रेस को छह सीटें मिलीं, जम्मू-कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी को तीन सीटें मिलीं, निर्दलीयों ने सात सीटें जीतीं, जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, सीपीआई (एम) और आप को एक-एक सीट मिली।

जम्मू-कश्मीर में दलवार परिणाम	
दल	**कुल**
जम्मू एण्ड कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस - जेकेएन	42
भारतीय जनता पार्टी - भाजपा	29
इंडियन नेशनल कांग्रेस - आईएनसी	6
जम्मू एण्ड कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी	3
जम्मू एण्ड कश्मीर पीपुल्स कांफ्रेस - जेपीसी	1
कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया (मार्क्सिस्ट)	1
आम आदमी पार्टी - एएएपी	1
निर्दलीय - आईएनडी	7
कुल	**90**

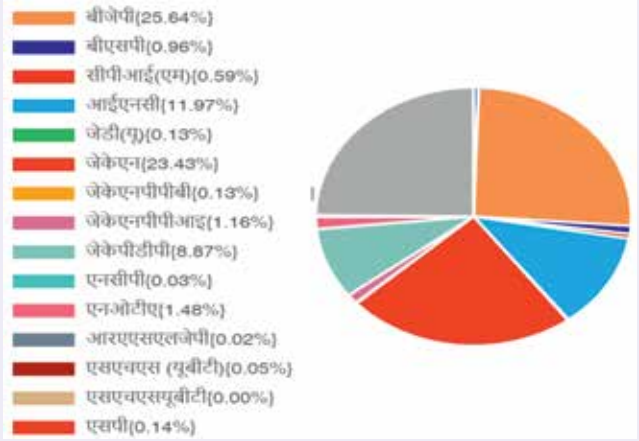

विकास और सुशासन की राजनीति की जीत: प्रधानमंत्री

हरियाणा में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा को अब तक के सबसे बड़े जनादेश के साथ वापस लाने के लिए हरियाणा की जनता का आभार व्यक्त किया। एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा, "हरियाणा का हृदय से आभार! भारतीय जनता पार्टी को एक बार फिर स्पष्ट बहुमत देने के लिए मैं हरियाणा की जनशक्ति को नमन करता हूं। यह विकास और सुशासन की राजनीति की जीत है। मैं यहां के लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे।"

"इस महाविजय के लिए अथक परिश्रम और पूरे समर्पण भाव से काम करने वाले अपने सभी कार्यकर्ता साथियों को भी मेरी बहुत-बहुत बधाई! आपने न केवल राज्य की जनता-जनार्दन की भरपूर सेवा की है, बल्कि विकास के हमारे एजेंडे को भी उन तक पहुंचाया है। इसी का नतीजा है कि भाजपा को हरियाणा में यह ऐतिहासिक जीत हासिल हुई है।"

हरियाणा ने कांग्रेस की विभाजनकारी एवं तुष्टीकरण की राजनीति को नकार दिया: जगत प्रकाश नड्डा

हरियाणा भाजपा कार्यकर्ताओं और जनता को बधाई देते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा, "हरियाणा के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की यह निरंतर विजय यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में डबल-इंजन सरकार द्वारा क्रियान्वित कल्याणकारी नीतियों पर जन-जन के अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है। यह जनादेश दर्शाता है कि कांग्रेस की विभाजनकारी और तुष्टीकरण की राजनीति को हरियाणा की जनता ने सिरे से नकारा है। प्रदेश में पहली बार किसी राजनीतिक दल ने लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह जीत की हैट्रिक मोदी जी के जनकल्याण, विकास और सुशासन को जनता का प्रचंड समर्थन है।

मैं मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जी, प्रदेश अध्यक्ष श्री मोहन लाल बडौली जी एवं हरियाणा भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ताओं का अभिनंदन व जनता-जनार्दन का आभार व्यक्त करता हूं।"

इसी तरह, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 और 35 (ए) के निरस्त होने के बाद हुए विधानसभा चुनाव में भी भाजपा का प्रदर्शन ऐतिहासिक और सराहनीय रहा। भारत निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार केंद्रशासित प्रदेश के 90 सदस्यीय सदन में भाजपा ने 25.64 प्रतिशत वोटों के साथ 29 सीटें जीतीं। जम्मू-कश्मीर में भी भाजपा के वोट शेयर और सीटों की संख्या में सुधार हुआ है, जबकि जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस को 23.43 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 42 सीटें मिली हैं।

अन्य दलों में कांग्रेस को छह सीटें, जम्मू-कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (जेकेपीडीपी) को तीन सीटें, जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस (जेपीसी), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) - सीपीआई (एम) और आम आदमी पार्टी को एक-एक सीट मिली तथा निर्दलीय उम्मीदवारों को सात सीटें मिलीं।

जम्मू-कश्मीर में भाजपा के प्रदर्शन पर गर्व है: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के हर व्यक्ति को इस विशेष चुनाव में भाग लेने के लिए बधाई देते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "जम्मू-कश्मीर का यह चुनाव बहुत ही खास हैं। अनुच्छेद 370 और 35 (ए) हटाए जाने के बाद पहली बार ये चुनाव हुए और इनमें भारी मतदान हुआ, जिससे लोगों का लोकतंत्र में विश्वास दिखा। मैं इसके लिए जम्मू-कश्मीर के हर व्यक्ति की सराहना करता हूं। मुझे जम्मू-कश्मीर में भाजपा के प्रदर्शन पर गर्व है। मैं उन सभी का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने हमारी पार्टी को वोट दिया और हम पर भरोसा जताया। मैं लोगों को भरोसा दिलाता हूं कि हम जम्मू-कश्मीर के कल्याण के लिए काम करते रहेंगे। मैं अपने कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों की भी सराहना करता हूं। मैं जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में उनके सराहनीय प्रदर्शन के लिए जेकेएनसी को बधाई देना चाहता हूं।"

भाजपा जम्मू-कश्मीर के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध: जगत प्रकाश नड्डा

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में मिले जनादेश को स्वीकार करते हुए और जनता को बधाई देते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपने एक्स पोस्ट में कहा, "जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में मिले जनादेश को स्वीकार करते हैं। जम्मू-कश्मीर में धारा-370 हटने के बाद से हिंसात्मक घटनाओं पर अंकुश लगा है। एक समय था जब मतदान प्रतिशत बहुत कम रहता था, लेकिन इस बार के चुनाव में भारी संख्या में मतदान लोकतंत्र के महोत्सव में जनता के अभूतपूर्व उत्साह को दर्शाता है। भारतीय जनता पार्टी जम्मू-कश्मीर के सर्वांगीण विकास और जनकल्याण के लिए संकल्पित है। हम प्रदेश के विकास और जनहित के हर मुद्दे को उठाते रहेंगे। जम्मू-कश्मीर भाजपा के समस्त कार्यकर्ताओं का अभिनंदन और जनता-जनार्दन का आभार।"

चुनाव नतीजों से पता चलता है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का दूरदर्शी नेतृत्व, अपार लोकप्रियता, भ्रष्टाचार मुक्त शासन, डबल इंजन सरकार की विकास परियोजनाओं का समय पर क्रियान्वयन, समाज के हर वर्ग के लिए केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाएं और स्थानीय समस्याओं निराकरण भाजपा की जीत के प्रमुख कारक थे। हरियाणा में मिली शानदार जीत और जम्मू-कश्मीर में भाजपा के अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली जैसे अन्य प्रमुख राज्यों में होने वाले चुनावों से पहले पार्टी का मनोबल काफी बढ़ा है। हालांकि, दूसरी ओर यह नतीजे कांग्रेस के लिए बहुत बड़े झटके हैं, जो लोगों के बीच मतभेद पैदा करके भाजपा विरोधी एवं भारत विरोधी प्रचार कर जनता का समर्थन हासिल करने की उम्मीद कर रही थी। मतदाताओं ने भी कांग्रेस की इन विभाजनकारी चालों को नकार दिया और ऐसा सबक सिखाया, जिसकी गूंज लंबे समय तक सुनाई देगी। इस जीत की गूंज दूर-दूर तक सुनाई देगी और भाजपा के राजनीतिक इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ेगा। ■

हरियाणा ने फिर कमाल कर दिया और कमल-कमल कर दिया: नरेन्द्र मोदी

जम्मू-कश्मीर में इस बार हुआ ऐतिहासिक चुनाव

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 8 अक्टूबर, 2024 को हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत एवं जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में भाजपा के शानदार प्रदर्शन पर पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित 'हरियाणा एवं जम्मू-कश्मीर की जनता का हार्दिक अभिनंदन एवं आभार' कार्यक्रम को संबोधित किया और हरियाणा एवं जम्मू-कश्मीर की महान जनता को नमन करते हुए कांग्रेस पर करारा प्रहार किया। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह सहित पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि हम सबने सुना है कि जहां दूध-दही का खाना, वैसा है अपना हरियाणा। हरियाणा ने फिर कमाल कर दिया और कमल-कमल कर दिया है। आज नवरात्र का छठा दिन है। आज मां कात्यायनी की आराधना का दिन है। मां कात्यायनी शेर पर विराजमान होकर हाथ में कमल को धारण किए हुए हम सभी को आशीर्वाद दे रही हैं। ऐसे पावन दिन हरियाणा में तीसरी बार कमल खिला है। भाजपा की सरकार तीसरी बार हरियाणा में आई है। हमें हर जाति-हर वर्ग ने वोट दिया। गीता की धरती पर सत्य की जीत हुई है।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में दशकों के बाद आखिरकार शांतिपूर्ण चुनाव हुए। नतीजे आए, ये भारत के संविधान, लोकतंत्र की जीत है। जम्मू-कश्मीर की जनता ने नेशनल कॉन्फ्रेंस को ज्यादा सीट दी हैं, लेकिन वोट शेयर के हिसाब से भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। मैं सभी कार्यकर्ताओं के तप के लिए नमन करता हूं।

श्री मोदी ने कहा कि हरियाणा की ये जीत कार्यकर्ताओं के अथाह परिश्रम का परिणाम है। हरियाणा की जीत हरियाणा की टीम और नड्डा जी के प्रयासों की जीत है। हरियाणा की ये जीत नम्र-विनम्र हमारे मुख्यमंत्रीजी के कर्तव्यों की भी जीत है। हरियाणा की जनता ने नया इतिहास रच दिया है। हरियाणा का गठन 1966 में हुआ था। इतने दिनों में बड़े-बड़े दिग्गजों ने राज किया। एक समय हरियाणा के दिग्गजों का नाम पूरे देश में चर्चा में रहते थे। हरियाणा में अब तक 13 चुनाव हुए हैं। इनमें से 10 चुनाव में हरियाणा के लोगों ने हर 5 साल के बाद सरकार बदली। पहली बार ऐसा हुआ है जब 5-5 साल को दो कार्यकाल पूरे करने वाली किसी सरकार को तीसरी बार मौका मिला हो। हरियाणा में लोगों ने हमारी सरकार ही नहीं बनाई, सीटें भी ज्यादा दी हैं और वोट शेयर भी ज्यादा दिया है। ऐसा लगता है हरियाणा के लोगों ने छप्पर फाड़कर दिया है। इस जीत की गूंज

प्रमुख बिंदु

- हरियाणा में लगातार तीसरी बार कमल खिला है। गीता की धरती पर सत्य की जीत हुई। मैं हरियाणा की जनता को नमन करता हूं, उनका अभिनंदन करता हूं।
- हरियाणा की जनता ने हमारी सरकार ही नहीं बनाई, बल्कि सीटें भी ज्यादा दी हैं और वोट शेयर भी ज्यादा दिया है।
- कुछ लोग कहते थे कि आर्टिकल-370 हटा तो कश्मीर जल जाएगा! लेकिन कश्मीर जला नहीं, बल्कि कश्मीर और खूबसूरती से खिला है, खिलखिलाया है। जम्मू-कश्मीर में संपन्न विधानसभा चुनाव भारत के संविधान की जीत है, भारत के लोकतंत्र की जीत है।
- जम्मू-कश्मीर की जनता ने नेशनल कॉन्फ्रेंस को ज्यादा सीट दी हैं, लेकिन वोट शेयर के हिसाब से भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। मैं जम्मू-कश्मीर की जनता का और पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं के तप के लिए नमन करता हूं।
- कांग्रेस पूरी तरह से परजीवी पार्टी बन गई है। कांग्रेस ऐसी परजीवी पार्टी है जो अपने सहयोगियों को ही निगल जाती है। कांग्रेस अपने दम पर कोई चुनाव नहीं जीत सकती।

दूर-दूर तक जाएगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा जहां-जहां सरकार बनाती है, जनता वहां लंबे समय तक भाजपा को मौका देती है। भाजपा कई राज्यों में फिर से वापसी कर रही है। कांग्रेस की कैसी हालत है। करीब 13 साल पहले असम में कांग्रेस की सरकार सत्ता में दोबारा लौटी थी। इसके बाद जितने भी चुनाव हुए लोगों ने कांग्रेस को सेकेंड टर्म में मौका नहीं दिया है। कई राज्य ऐसे हैं जहां कांग्रेस 50-50, 60-60 साल पहले आई थी, तब से सत्ता में वापस आई ही नहीं।

श्री मोदी ने कहा कि जनता के सामने कांग्रेस की पोल खुल चुकी है। कांग्रेस का डिब्बा गोल हो गया है। वे सरकार से बाहर होते हैं तो उनकी हालत जल बिन मछली जैसी हो जाती है, इसलिए वो समाज में जाति का जहर फैला रहे हैं, अलग-अलग वर्गों को भड़का रहे हैं। भारत को बांटने के लिए अंतरराष्ट्रीय साजिश हो रही है। देशभक्त हरियाणा ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया है।

उन्होंने कहा कि आज के नतीजों ने एक और बात स्पष्ट की है कि कांग्रेस पूरी तरह से परजीवी पार्टी बन गई है। यहां हरियाणा में कांग्रेस किसी के साथ नहीं थी, हार गई। लोकसभा में कांग्रेस ने जितनी सीटें जीतीं, अपने सहयोगियों की वजह से ही जीती हैं। कांग्रेस ऐसी परजीवी पार्टी है जो अपने सहयोगियों को ही निगल जाती है। कांग्रेस पर करारा हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस हर संस्था पर दाग लगाना चाहती है। आपको याद होगा लोकसभा परिणाम आने से पहले इन लोगों ने कितना कोहराम मचाया था। वो भी इसलिए ताकि ये लोग चुनाव आयोग की प्रतिष्ठा पर बट्टा लगा सकें। कांग्रेस की यही आदत रही है। कांग्रेस ऐसी ही करतूतें करती आ रही हैं।

उन्होंने कहा कि पूरा देश देख रहा है कि कैसे कांग्रेस हमारे समाज में जाति का जहर फैलाने पर उतर आई है। जो लोग चांदी नहीं, सोने का चम्मच मुंह में लेकर पैदा हुए, जो लोग पीढ़ी दर पीढ़ी फाइव स्टार लाइफ जीते आ रहे हैं, वो गरीब को जाति के नाम पर लड़वाने में लगे हैं। हमारे दलित-पिछड़े-आदिवासी समाज को भूलना नहीं है। ये कांग्रेस है जिसने दलितों, पिछड़ों पर सबसे ज्यादा अत्याचार किया है। ये कांग्रेस है जिसने उन्हें इतने दशकों तक रोटी, पानी, मकान से वंचित रखा। ये वो लोग हैं, जो 100 साल बाद भी सत्ता मिलने पर कभी किसी दलित, पिछड़े, आदिवासी को प्रधानमंत्री नहीं बनने देंगे। कांग्रेस का परिवार, दलितों-पिछड़ों-आदिवासियों से नफरत करता है, उनसे चिढ़ता है। इसलिए आज जब दलित, पिछड़े, आदिवासी शीर्ष स्थान पर जा रहे हैं, तो इनको समस्या हो रही है।

श्री मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में इस बार हुआ चुनाव ऐतिहासिक है। वहां देश का संविधान पूरी तरह से लागू होने के बाद पहली बार चुनाव हुए हैं। लोग कहते थे 370 हटेगा तो कश्मीर जल जाएगा, लेकिन कश्मीर जला नहीं बल्कि महक उठा है। कश्मीर और खूबसूरती से खिला है, खिलखिलाया है! हमारी सरकार ने वहां बीडीसी के चुनाव कराए। वहां हर स्तर पर अब जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि काम करेंगे। बाबा साहेब अंबेडकर को इससे बड़ी श्रद्धांजलि और क्या होगी।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के गरीब 10 साल से डबल इंजन की सरकार को देख रहे हैं। अब हरियाणा की सरकार गरीब कल्याण के काम को और गति देगी। हरियाणा की ताकत को भाजपा और मजबूती देगी। यहां का बाजरा जैसा मोटा श्रीअन्न दुनिया के डाइनिंग टेबल पर पहुंचे, हम ऐसा चाहते हैं। हरियाणा के छोरा-छोरी दुनिया में धूम मचा रहे हैं। आने वाले समय में भारत दुनिया में खेलों की महाशक्ति बनने जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार राष्ट्र को सर्वोपरि रखती है। भाजपा की सरकार गरीब कल्याण को सर्वोपरि रखती है। केंद्र सरकार पर जैसे 10 साल में भ्रष्टाचार नहीं है, वैसे ही हरियाणा की सरकार पर भी कोई दाग नहीं है। मैं नायब सिंह सैनी और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को बधाई देता हूं। उन्होंने बहुत मेहनत की है। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर ने भाजपा को प्रेरित किया है। आज के जनादेश में भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी महाशक्ति बनाने के संकल्प को मजबूती दी है। आप ने हर उस प्रेरणा को मजबूती दी है, जिसका मकसद लोगों को गरीबी से बाहर निकालना है।

श्री मोदी ने अपने उद्बोधन के अंत में एक बार फिर पार्टी कार्यकर्ताओं का हार्दिक अभिनंदन करते हुए कहा कि आप सब कार्यकर्ताओं का मैं जितना भी अभिनंदन करूं, कम है। देश के कोने-कोने में भाजपा जो कुछ भी है, हर संघर्ष को पार करते हुए लोगों के दिल में जो जगह बनी है, उसके मूल में हमारे कार्यकर्ता हैं। भाजपा के कार्यकर्ता न रुकने वाले हैं, न थकने वाले हैं और झुकने वाले तो बिल्कुल नहीं हैं। ■

यह 'विकसित भारत' के संकल्प और उसके प्रति भाजपा के समर्पण की जीत है: जगत प्रकाश नड्डा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 8 अक्टूबर, 2024 को दिल्ली स्थित भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में 'हरियाणा एवं जम्मू-कश्मीर की जनता का अभिनन्दन एवं आभार कार्यक्रम' को संबोधित किया। श्री नड्डा ने हरियाणा की जनता द्वारा भाजपा को जिताने और जम्मू-कश्मीर की जनता को पार्टी को सबसे अधिक वोट देने के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह और रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह सहित भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को हरियाणा में ऐतिहासिक जीत प्राप्त हुई है और हम जनता को आभार प्रकट करने के लिए उपस्थित हुए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा की जनता ने भाजपा को जिताया और जम्मू-कश्मीर की जनता ने पार्टी को सबसे अधिक वोट देकर आशीर्वाद दिया है। कांग्रेस जनता के बीच झूठ फैलाने में लगी और जनता को गुमराह किया, मगर हरियाणा की जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा में लगातार तीसरी बार सरकार बनाई।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने परिश्रम और अथक प्रयास से देश को ताकत प्रदान की और परिस्थितियों को बदला। हरियाणा की जनता ने भाजपा के जनकल्याण और विकास कार्यों पर मुहर लगायी है। बीते दिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधान प्रशासक के रूप में देश की सेवा करते हुए अविरल 23 वर्ष पूर्ण किए हैं। श्री नरेन्द्र मोदी ने 13 वर्षों तक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया और पिछले 10 वर्षों से प्रधानसेवक के रूप में कार्य कर रहे हैं। हरियाणा की जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई सेवा को सराहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कार्यकर्ता और समर्पण भाव से देश की तस्वीर को बदलने के लिए अथक प्रयास किया है। आज हम देख रहे हैं कि हरियाणा सहित देश

प्रमुख बिंदु

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा की जनता ने भाजपा को जिताया और जम्मू-कश्मीर की जनता ने पार्टी को सबसे अधिक वोट देकर आशीर्वाद दिया है।
- कांग्रेस जनता के बीच झूठ फैलाने में लगी और जनता को गुमराह किया, मगर हरियाणा की जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा में लगातार तीसरी बार सरकार बनाई।
- बीते दिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधान प्रशासक के रूप में देश की सेवा करते हुए अविरल 23 वर्षों को पूर्ण किए हैं।
- हरियाणा सहित देश का मिजाज भी मोदीमय है। आज सब फिर मान गए हैं कि 'मोदी है तो मुमकिन है।'
- कांग्रेस के तीन 'सी' - करप्शन, कमीशन और क्रिमिनलाइजेशन हैं। हरियाणा में कांग्रेस बहुत झूठ बोले, मगर जनता ने उन्हें सबक सिखा दिया और भाजपा पर अपनी मुहर लगा दी।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्टाचार को समाप्त किया, परिवारवाद और जातिवाद को धता दिखाकर विकासवाद को आगे बढ़ाया।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी एक के बाद एक कीर्तिमान स्थापित कर रही है।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी को सशक्त करने की नींव रखी। हरियाणा के प्रभारी रहते हुए उन्होंने प्रदेश का एक-एक जिला और कस्बा घूमा है, एक-एक कार्यकर्ता को नाम से जानते हैं।
- जम्मू और कश्मीर में भी भारतीय जनता पार्टी ने पिछली बार से अधिक सीटें जीती हैं और पार्टी का वोट शेयर भी बढ़ा है।
- एक कट्टर बेईमान पार्टी भी है, जो हरियाणा में सभी 90 सीटों पर लड़ी, लेकिन उनकी सभी सीटों पर जमानत जब्त हो गई।

का मिजाज भी मोदीमय है। आज सब फिर मान गए हैं कि 'मोदी है तो मुमकिन है।'

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की राजनीति की रिवायत को बदल कर रख दिया है। कांग्रेस ने वर्षों तक परिवारवाद, जातिवाद और भाई-भतीजावाद को आगे बढ़ाया और आज भी लोगों को जातिवाद में बांटने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस के तीन सी- करप्शन, कमीशन और क्रिमिनलाइजेशन हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्टाचार को समाप्त किया, परिवारवाद और जातिवाद को धता दिखाकर, विकासवाद को आगे बढ़ाया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चलने वाली सरकार, एक प्रो ऐक्टिव, रेसपोनसीव और अकाउंटेबल सरकार है। हरियाणा में कांग्रेस ने बहुत झूठ बोले, मगर जनता ने उन्हें सबक सिखा दिया और भाजपा पर अपनी मुहर लगा दी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी एक के बाद एक कीर्तिमान स्थापित कर रही है। भाजपा ने उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में लगातार दूसरी बार सरकार बनाई और गोवा में लगातार तीन बार सरकार बनाई। अब हरियाणा प्रदेश के इतिहास में पहली बार लगातार तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने जा रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हरियाणा के प्रभारी रहते हुए प्रदेश का एक-एक जिला और कस्बा घूमा है, एक-एक कार्यकर्ता को नाम से जानते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी को सशक्त करने की नींव रखी थी। आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा भारतीय जनता पार्टी का गढ़ बन गया है और तीसरी बार लगातार भाजपा सरकार बन रही है। प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व में हरियाणा में भाजपा का सीट शेयर भी बढ़ा है और वोट शेयर भी बढ़ा है। जिनके मन में सत्ता के लड्डू फूट रहे थे उन्हें जनता ने घर बैठा दिया, उन्हें जलेबी खानी भी नसीब नहीं हुई। दलित भाइयों की सीटों पर भी भाजपा को बढ़त मिली है। हरियाणा में आज युवाओं, किसानों, दलितों और महिलाओं की सबसे पसंदीदा पार्टी भारतीय जनता पार्टी है। यह 'नॉन स्टॉप हरियाणा' लगातार आगे बढ़ेगा, यह जीत 'विकसित भारत' के संकल्प और उसके प्रति भाजपा के समर्पण की जीत है। एक ओर कांग्रेस समाज को तोड़ने का प्रयास कर रही थी, वहीं दूसरी ओर सभी को साथ लेकर चलने का कार्य प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने किया है। कांग्रेस ने झूठ फैलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी, लेकिन हरियाणा की जनता ने उनकी एक बात नहीं सुनी। एक कट्टर बेईमान पार्टी भी है, जो हरियाणा में सभी 90 सीटों पर लड़ी लेकिन उनकी सभी सीटों पर जमानत जब्त हो गई।

श्री नड्डा ने कहा कि जम्मू और कश्मीर में भी भारतीय जनता पार्टी ने पिछली बार से अधिक सीटें जीती हैं और पार्टी का वोट शेयर भी बढ़ा है। उन्होंने हरियाणा और जम्मू-कश्मीर की जनता का आभार व्यक्त करते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि पूरी ताकत के साथ जुड़ जाइए, आगे महाराष्ट्र और झारखंड भी जीतना है, साथ ही दिल्ली में भी कमल खिलाना है। श्री नड्डा ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन करते हुए विश्वास जताया कि पार्टी को आगे बढ़ाने में कार्यकर्ता कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। ■

हरियाणा में भाजपा की ऐतिहासिक जीत: राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने जनता और कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा में मिली प्रचंड जीत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व और भाजपा में लोगों के विश्वास का परिणाम है। सोशल मीडिया पर एक्स पर लिखे पोस्ट में श्री सिंह ने कहा, "हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली ऐतिहासिक जीत के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को बहुत-बहुत बधाई। हरियाणा में भाजपा ने चुनावी जीत की शानदार हैट्रिक लगाकर यह साबित कर दिया है कि जनता का भरोसा मोदीजी के सशक्त एवं सक्षम नेतृत्व तथा सुशासन और विकास की राजनीति में है। इस जीत में मोदीजी की प्रेरणा के साथ-साथ, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का सांगठनिक कौशल,

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी एवं प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली के नेतृत्व में हरियाणा भाजपा के कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का योगदान है। आज समाज का हर वर्ग भाजपा की विकास और गरीब कल्याण की नीतियों की सराहना कर रहा है। जनता ने नकारात्मक राजनीति को नकार कर विकास की सकारात्मक राजनीति को फिर से अपना समर्थन दिया है।

भाजपा जम्मू-कश्मीर के विकास को मजबूती देने के लिए काम करती रहेगी

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में भाजपा का समर्थन करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद देते हुए श्री राजनाथ सिंह ने कहा, "मैं विधानसभा चुनावों में भाजपा का समर्थन करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद देता हूं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा राज्य के विकास पथ को मजबूत करने की दिशा में काम करती रहेगी। मैं पार्टी कार्यकर्ताओं को उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ता के लिए भी धन्यवाद देता हूं।" ■

भाजपा के 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस' में जनता का अटूट विश्वास: अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा विधानसभा चुनाव परिणाम में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत और जम्मू-कश्मीर में भाजपा के ऐतिहासिक प्रदर्शन पर हरियाणा एवं जम्मू-कश्मीर की जनता को हार्दिक बधाई देते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक अभिनंदन किया।

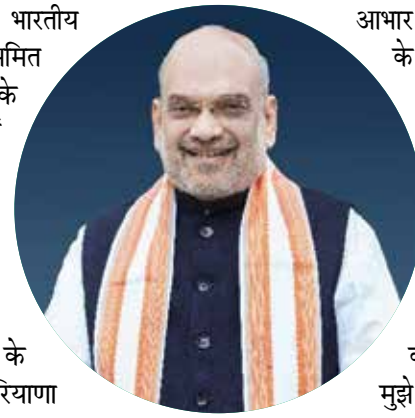

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक के बाद एक कई पोस्ट करते हुए श्री शाह ने हरियाणा के विकास के लिए भारतीय जनता पार्टी की अहर्निश प्रतिबद्धता को दर्शाया। हरियाणा की जनता को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की लगातार तीसरी और प्रचंड बहुमत से जीत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा की डबल इंजन सरकार में किसानों, गरीबों, पिछड़ों, जवानों और युवाओं के अटूट विश्वास की जीत है। उन्होंने इस निर्णायक जीत के लिए हरियाणा प्रदेश भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री मोहन लाल बडौली को भी हार्दिक बधाई दी।

प्रमुख बिंदु

- हरियाणा में भाजपा की प्रचंड जीत किसानों, गरीबों, पिछड़ों, जवानों और युवाओं का मोदीजी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में अटूट विश्वास की जीत है।
- हरियाणा की जनता ने जाति और क्षेत्र के आधार पर बांटने वाली कांग्रेस की नकारात्मक और विभाजनकारी राजनीति को पूरी तरह नकार दिया है।
- मोदी जी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर घाटी में लोकतंत्र फिर से जीवित हुआ है।
- कांग्रेस शासन में जम्मू-कश्मीर में सिर्फ आतंक का राज था, भाजपा शासन में लोकतंत्र का महापर्व पूरी शान और शांति से मनाया गया।
- जम्मू-कश्मीर की जनता ने भाजपा को इस चुनाव में सबसे अधिक मत प्रतिशत का आशीर्वाद दिया।

श्री शाह ने कांग्रेस की नकारात्मक एवं विभाजनकारी राजनीति पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि वीरभूमि हरियाणा की जनता ने जाति और क्षेत्र के आधार पर बांटने वाली कांग्रेस की नकारात्मक और विभाजनकारी राजनीति को पूरी तरह नकारते हुए भाजपा के 10 वर्षों के विकास और गरीब कल्याण के ट्रैक रिकॉर्ड को चुना है।

उन्होंने कहा कि चाहे केंद्र में लगातार तीसरी बार मोदी जी का चुनकर आना हो या हरियाणा, गुजरात, मध्य प्रदेश व अन्य राज्यों में बार-बार भाजपा सरकार का बनना, यह दर्शाता है कि भारतीय राजनीति में मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा ने जिस 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस' के नए युग की शुरुआत की है, उसमें जनता का अटूट विश्वास है।

श्री शाह ने आज आये जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में भाजपा को सबसे अधिक वोट देने के लिए जम्मू-कश्मीर की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया और शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव होने के लिए हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन काल में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का राज था। आतंकवाद आने के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर में पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण तरीके से ऐतिहासिक चुनाव संपन्न हुआ है और लोकतंत्र फिर से जीवित हुआ है।

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की जनता से वादा किया था कि हम जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव करवाएंगे। मुझे अत्यंत हर्ष है कि 80 के दशक से आतंकवाद के आने के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर की जनता ने इतना पारदर्शी और शांतिपूर्ण चुनाव देखा और बढ़-चढ़कर चुनाव में हिस्सा लिया। इन सफल और ऐतिहासिक चुनावों के लिए मैं चुनाव आयोग, जम्मू-कश्मीर प्रशासन, सुरक्षा बलों और जम्मू-कश्मीर की जनता को हृदय से बधाई देता हूं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में जिस जम्मू-कश्मीर में सिर्फ आतंक का राज था और हर दिन लोकतंत्र की हत्या होती थी, वहीं भाजपा शासन में लोकतंत्र का महापर्व पूरी शान और शांति से मनाया गया। जम्मू-कश्मीर की जनता को 1987 के विधानसभा चुनाव भी अच्छी तरह याद है, जब कांग्रेस ने खुलेआम धांधली कर लोकतंत्र का मजाक उड़ाया था। उसी कश्मीर घाटी में अब लोकतंत्र फिर से जीवित हुआ है। लोगों ने बिना दहशतगर्दी और आतंक के अपने प्रतिनिधि चुने। इस अभूतपूर्व बदलाव के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का हृदय से आभार।

श्री शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की जनता ने भाजपा को इस विधानसभा चुनाव में सबसे अधिक मत-प्रतिशत का आशीर्वाद दिया है और भाजपा को अब तक के इतिहास में सबसे अधिक सीटें दी हैं। इसके लिए मैं जम्मू-कश्मीर की जनता का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। साथ ही, भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को उनके अथक परिश्रम के लिए बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा जम्मू-कश्मीर के विकास और सुरक्षा के लिए संकल्पित है। जम्मू-कश्मीर को आतंकमुक्त बनाकर देश के अन्य हिस्सों की तरह इसे विकसित बनाना भाजपा की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ■

'सेवा पखवाड़ा' का समापन

जन आंदोलन बना स्वच्छता अभियान: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 2 अक्टूबर, 2024 को पार्टी द्वारा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाये जा रहे 'सेवा पखवाड़ा' के तहत महात्मा गांधी जी की जयंती के अवसर पर नई दिल्ली स्थित लोधी कॉलोनी रोड के निकट 'स्वच्छता अभियान' में श्रमदान किया और पार्टी कार्यकर्ताओं सहित जन-सामान्य को स्वच्छता अभियान में भागीदारी बढ़ाने के लिए जागरुक किया। उन्होंने देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वच्छता अभियान को देश का जन-आंदोलन बना देने के लिए उनकी भूरि-भूरि सराहना की। इसके पश्चात् नई दिल्ली, कनॉट प्लेस स्थित खादी भंडार गए और वहां महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। तत्पश्चात उन्होंने 'खादी इंडिया स्टोर' से खादी के वस्त्र खरीदे और उन्होंने इसका यूपीआई मोड से डिजिटल पेमेंट भी किया।

स्वच्छता अभियान में श्रमदान देने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि आज गांधी जयंती है और 17 सितंबर से प्रारंभ हुआ भारतीय जनता पार्टी का सेवा पखवाड़ा भी आज 2 अक्टूबर को स्वच्छता अभियान के साथ सम्पन्न हो रहा है। महात्मा गांधी ने 'स्वच्छ भारत' का सपना देखा था जिसके लिए वह चाहते थे कि भारत के सभी नागरिक एक साथ मिलकर देश को स्वच्छ बनाने के लिए कार्य करें। उनके इस सपने को धरातल पर उतारने का काम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। इस अभियान को एक जन आंदोलन बनाने का कार्य प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। जन आंदोलन के साथ-साथ आम नागरिकों को भी स्वच्छता के प्रति जागरुक करने का कार्य किया जा रहा है, ताकि उसे स्वयं यह महसूस हो कि हमें गंदगी नहीं फैलानी है और स्वच्छता बनाए रखनी है। यह जन आंदोलन पिछले 10 वर्षों से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान के रूप में चल रहा है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक जागरुक राजनीतिक संगठन के रूप में हर साल सेवा पखवाड़ा मनाती है, जिसमें स्वच्छता अभियान के तहत गांधी जयंती के दिन सभी लोग, सभी स्थानों पर स्वच्छता के कार्य में जुटते हैं और लोगों को जागरुक करने का भी प्रयास करते हैं। यह जन आंदोलन और तीव्र गति से आगे बढ़े इसके लिए सभी लोग पूरी तत्परता से लगे हुए हैं। श्री नड्डा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संदेश देते हुए कहा कि सबको स्वच्छता अभियान में अपनी भागीदारी बढ़ानी चाहिए। यह कोई एक दिन करने वाला कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह सतत चलने वाला कार्य है। यह हमारे जीवन का अभिन्न अंग बने, इस पर हमें कार्य करना चाहिए।

स्वच्छता अभियान में श्रमदान देने के पश्चात् श्री नड्डा नई दिल्ली, कनॉट प्लेस स्थित खादी भंडार गए और वहां महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। तत्पश्चात उन्होंने खादी इंडिया स्टोर से खादी के वस्त्र खरीदे और इसका डिजिटल पेमेंट भी किया।

इसके बाद उपस्थित मीडिया से बातचीत करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि आजादी की लड़ाई में खादी ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। महात्मा गांधी ने खादी को हमेशा अपनाया और देशवासियों को खादी के माध्यम से देश की आजादी के लिए एकजुट किया, लेकिन आजादी के बाद लगातार खादी की उपेक्षा हुई। श्री नरेन्द्र मोदी जब 2014 में प्रधानमंत्री चुनकर आए तो उन्होंने दो बातें कही, एक 'वोकल फॉर लोकल' और दूसरा 'खादी फॉर नेशन, फॉर फैशन एंड फॉर ट्रांसफॉर्मेशन'। इसी तरह से खादी की बिक्री को बढ़ाने, रोजगार और खादी की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए पिछले एक दशक में बहुत काम हुआ है। पहले जहां खादी की 25,000 करोड़ रुपए की बिक्री होती थी, अब वह बढ़कर 1,55,000 करोड़ रुपए हो गई है। लोग खादी के प्रति बहुत आकर्षित हो रहे हैं और आज के दिन हम आप सबसे निवेदन करेंगे कि हम खादी के कुछ न कुछ वस्त्र, खादी के उत्पाद जरूर खरीदें, अपने जीवन में खादी अपनाएं और देश और देश के आम लोगों को मजबूत बनाने में अपना योगदान दें।

प्रमुख बिंदु

- स्वच्छता एवं खादी के वस्त्रों को जीवन का अभिन्न अंग बनाएं, जीवन का संस्कार बनाएं
- महात्मा गांधी ने स्वच्छता का आह्वान किया था, इसे जन-आंदोलन बनाने का कार्य प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया है
- स्वच्छता अभियान कोई एक दिन करने वाला कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह सतत रूप से चलने वाला कार्य है
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'वोकल फॉर लोकल' और 'खादी फॉर नेशन, फॉर फैशन एंड फॉर ट्रांसफॉर्मेशन' के माध्यम से खादी उद्योग पर विशेष ध्यान दिया और लोगों से इसे अपनाने की अपील की। इससे खादी की बिक्री में भी उछाल आया और अब लोग खादी को अपने जीवन में अपना रहे हैं
- हम खादी के कुछ न कुछ वस्त्र, खादी के उत्पाद जरूर खरीदें, अपने जीवन में खादी अपनाएं और देश और देश के आम लोगों को मजबूत बनाने में अपना योगदान दें ■

'स्वच्छ भारत' इस सदी में दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे सफल जन आंदोलन है: नरेन्द्र मोदी

स्वच्छता के लिए सबसे महत्वपूर्ण जन आंदोलनों में से एक 'स्वच्छ भारत मिशन' के शुभारंभ के 10 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2 अक्टूबर को 155वीं गांधी जयंती के अवसर पर विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित स्वच्छ भारत दिवस 2024 कार्यक्रम में भाग लिया। श्री मोदी ने 9,600 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न स्वच्छता और सफाई परियोजनाओं का शुभारंभ और शिलान्यास किया, जिनमें अमृत और अमृत 2.0, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन और गोबरधन योजना के तहत विभिन्न परियोजनाएं भी शामिल हैं। स्वच्छता ही सेवा 2024 का विषय है— 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता'

इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने पूज्य बापू और लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती का उल्लेख किया और मां भारती के सपूतों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री मोदी ने रेखांकित किया कि आज का अवसर सामूहिक रूप से महात्मा गांधी और अन्य महान विभूतियों के सपनों को साकार करने के लिए प्रेरणा का स्रोत है। स्वच्छ भारत अभियान के 10 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री ने कहा, "स्वच्छ भारत मिशन की यात्रा करोड़ों भारतीयों की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।"

उन्होंने बताया कि इस साल के स्वच्छता पखवाड़ा में करोड़ों लोगों ने स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में हिस्सा लिया है। श्री मोदी ने कहा कि सेवा पखवाड़ा के 15 दिनों में पूरे देश में 27 लाख से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 28 करोड़ लोगों ने भाग लिया। भारत को स्वच्छ रखने के लिए निरंतर प्रयासों की आवश्यकता पर बल देते हुए प्रधानमंत्री ने भारत के प्रत्येक नागरिक के प्रति आभार व्यक्त किया।

आज की महत्वपूर्ण उपलब्धि को रेखांकित करते हुए श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि स्वच्छता से संबंधित लगभग 10,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू की गई हैं। उन्होंने कहा कि 'मिशन अमृत' के तहत कई शहरों में जल और सीवेज शोधन संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि चाहे वह नमामि गंगे हो या जैविक कचरे को बायोगैस में बदलने की गोबरधन परियोजना, ये परियोजनाएं स्वच्छ भारत मिशन को नई ऊंचाइयों पर ले जायेंगी।

श्री मोदी ने कहा, "स्वच्छ भारत मिशन इस सदी का सबसे बड़ा और सबसे सफल जन आंदोलन है, जिसमें लोगों की भागीदारी और लोगों का नेतृत्व है।" उन्होंने अपने मन की बात कार्यक्रम में करीब 800 बार स्वच्छता के मुद्दे को उठाने का उदाहरण दिया, जहां लोगों ने इसे सबसे आगे रखा था।

श्री मोदी ने कहा कि दस साल पहले तक भारत की 60 प्रतिशत से अधिक आबादी शौचालयों की कमी के कारण खुले में शौच करने के लिए मजबूर थी। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि देश में 12 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए गए और शौचालय कवरेज का दायरा पहले के 40 प्रतिशत से बढ़कर 100 प्रतिशत हो गया।

'स्वच्छ भारत मिशन' से हर साल 60 से 70 हजार बच्चों की जान बच रही है

इंटरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट वाशिंगटन, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया और ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों द्वारा संयुक्त रूप से किए गए एक प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय पत्रिका के हाल के अध्ययन का हवाला देते हुए श्री मोदी ने कहा कि यह बात सामने आई है कि स्वच्छ भारत मिशन से हर साल 60 से 70 हजार बच्चों की जान बच रही है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 2014 से 2019 के बीच 3 लाख लोगों की जान बचाई गई, जो डायरिया के कारण गवां दी जाती। श्री मोदी ने यूनिसेफ की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि घर में शौचालय बनने से अब 90 प्रतिशत से अधिक महिलाएं सुरक्षित महसूस करती हैं और स्वच्छ भारत मिशन के कारण महिलाओं में संक्रमण से होने वाली बीमारियों में भी काफी कमी आई है। उन्होंने यूनिसेफ के एक अन्य अध्ययन का हवाला देते हुए बताया कि स्वच्छता के कारण गांवों में परिवारों को हर साल औसतन 50 हजार रुपये की बचत हो रही है, जो पहले बीमारियों के इलाज पर खर्च हो जाते थे। ■

स्वच्छ भारत मिशन के 10 वर्ष: एक रिपोर्ट

स्वच्छ भारत दिवस पर 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान का समापन

2 अक्टूबर, 2024 को गांधी जी की 155वीं जयंती के अवसर पर स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) 2024 अभियान का समापन हुआ।

17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक चलने वाले एसएचएस अभियान ने तीन प्रमुख स्तंभों पर ध्यान केंद्रित किया: पहला, उपेक्षित क्षेत्रों में सुधार करना, जन भागीदारी को प्रोत्साहित करना और सफाई कर्मचारियों के कल्याण को सुनिश्चित करना। इसका समापन महात्मा गांधी की जयंती पर आयोजित 'स्वच्छ भारत दिवस' के उत्सव के साथ हुआ। इस दौरान सड़कों और बाजारों से लेकर पार्कों और जलमार्गों तक, सभी स्थानों की स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए नागरिक एक साथ आये। छोटे लेकिन सार्थक कदमों के माध्यम से एसएचएस अभियान हम सभी को याद दिलाता है कि 'स्वच्छता' केवल एक कार्य नहीं है, बल्कि एक साझा कर्तव्य है, एक जीवन शैली है जो सभी के स्वास्थ्य और सम्मान को प्रभावित करती है।

स्वच्छ भारत दिवस 2024

2 अक्टूबर, 2024 को एक महत्वपूर्ण जन आंदोलन 'स्वच्छ भारत मिशन' के 10 वर्ष पूरे होने के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में स्वच्छ भारत दिवस 2024 कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने स्वच्छता से जुड़ी कई परियोजनाओं का शुभारंभ और शिलान्यास किया, जिनकी कुल लागत 9,600 करोड़ रुपये से अधिक है।

इसमें अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (अमृत) और अमृत 2.0 के तहत शहरी इलाकों में जल और सीवेज सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए 6,800 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का आवंटन भी शामिल है। इसके अलावा, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के तहत गंगा बेसिन में जल गुणवत्ता और अपशिष्ट प्रबंधन पर केंद्रित 10 परियोजनाएं का शुभारंभ किया गया है, जिसके लिए 1,550 करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन किया गया है। ऐसे ही गोबर-धन योजना के तहत 1,332 करोड़ रुपये से अधिक की 15 संपीड़ित बायोगैस परियोजनाएं शुरू की जाएंगी।

इसी दिन विभिन्न महत्वपूर्ण पहल भी शुरू की गईं, जिनमें स्वच्छता पर विशेष ग्राम सभाएं, सामुदायिक शौचालय इकाई (सीटीयू) और सफाई मित्रों एवं अन्य कर्मियों का सम्मान शामिल है। स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे, साथ ही सामुदायिक शौचालयों, सार्वजनिक शौचालयों, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजनाओं, सीवेज उपचार संयंत्रों, मलजल उपचार संयंत्रों और अन्य संबंधित पहलों का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया गया।

> "2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत मिशन के 10 साल पूरे हो रहे हैं। यह उन लोगों को बधाई देने का अवसर है जिन्होंने इसे भारतीय इतिहास में इतने बड़े जन आंदोलन में बदल दिया। यह महात्मा गांधी को भी सच्ची श्रद्धांजलि है"
>
> **- श्री नरेन्द्र मोदी**
> **प्रधानमंत्री**

अभियान: एक दृष्टि

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त, 2014 को लाल किले की प्राचीर से एक प्रभावशाली संदेश दिया, जिसमें उन्होंने स्वच्छता को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाने का आह्वान किया और नागरिकों से इस मिशन में शामिल होने का आग्रह किया। इसके परिणामस्वरूप 2 अक्टूबर, 2014 को 'स्वच्छ भारत मिशन' की शुरुआत हुई, जिसमें स्वच्छता को सभी की जिम्मेदारी बनाने के दृष्टिकोण को अपनाया गया। इस अभियान को दुनिया का सबसे बड़ा आंदोलन बनाने के लिए पूरा देश एकजुट हुआ।

स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस)- स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) के तहत एक महत्वपूर्ण अभियान है, जिसे आधिकारिक तौर पर 2017 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुरू किया था। यह अभियान एक महत्वपूर्ण वार्षिक कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य भारत के नागरिकों को स्वच्छता की आदत को बढ़ाने के लिए प्रेरित करना है। यह पहल पूरे देश में स्वच्छ, स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा देने में नागरिक भागीदारी के सार को रेखांकित करती है। महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि के रूप में संकल्पित 'एसएचएस' का उद्देश्य स्वच्छ भारत मिशन में व्यापक भागीदारी को बढ़ावा देना है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान इस अभियान में काफी बदलाव आया है, इसके तहत प्रत्येक वर्ष स्वच्छता के विभिन्न पहलुओं को संबोधित करने के लिए एक विशिष्ट विषय का चयन किया जाता है।

वर्ष 2017 से स्वच्छता ही सेवा अभियान ने स्वच्छता के लिए स्वैच्छिकता और सामूहिक भागीदारी को बढ़ावा दिया है। यह वर्ष विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत सरकार स्वच्छ भारत मिशन की 10वीं वर्षगांठ मना रही है।

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024, 17 सितंबर से 1 अक्टूबर तक मनाया गया, जिसकी थीम 'स्वाभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' है, इसका समापन 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस के उत्सव के

साथ हुआ। अभियान ने तीन मुख्य मद्दों पर जोर दियाः स्वास्थ्य और स्वच्छता जोखिम वाले उपेक्षित क्षेत्रों में सुधार, स्वच्छता गतिविधियों में सक्रिय सार्वजनिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना और सफाई कर्मचारियों का कल्याण करना। अभियान का उद्देश्य इन पहलों के माध्यम से सभी के लिए स्वच्छ, स्वस्थ भारत को बढ़ावा देना है।

1 अक्टूबर, 2024 तक की प्रमुख उपलब्धियां

- कुल 29.21 लाख कार्यक्रमों की योजना बनाई गई, जिनमें से 26.44 लाख सफलतापूर्वक पूरे किये गये।
- सार्वजनिक भागीदारी की संख्या 26.25 करोड़ नागरिकों तक पहुंची।
- परिवर्तन प्रयास देश भर में 3.10 लाख आवासीय क्षेत्रों पर केंद्रित थे।
- राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य राजमार्गों और स्थानीय सड़कों सहित सड़क किनारे के 2.11 लाख क्षेत्रों की सफाई और पुनरोद्धार किया गया।
- बाजार स्थलों में 56,526 स्थानों पर कार्य किया गया।
- अभियान के तहत सार्वजनिक और निजी कार्यालयों के आसपास 48,418 क्षेत्रों में सुधार किया गया।
- अभियान के दौरान 61 लाख से अधिक पेड़ लगाए गए।
- नागरिकों ने कुल 3.04 लाख 'स्वच्छता प्रतिज्ञाएं' लीं।
- सार्वजनिक भोजन स्थलों में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए कुल 15,710 स्वच्छ फूड स्ट्रीट स्थापित की गईं।
- पूरे देश में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए 76,837 स्वच्छ भारत सांस्कृतिक उत्सव आयोजित किए गए।

एसएचएस 2024 के स्तंभ

स्वच्छता लक्ष्य इकाइयां (सी.टी.यू.): इन इकाई का तात्पर्य गंभीर रूप से उपेक्षित, उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों जैसे कि कचरा बिंदु या डंपसाइट से है जो महत्वपूर्ण पर्यावरणीय और स्वास्थ्य जोखिम पैदा करते हैं, जिन्हें अक्सर विभिन्न क्षेत्रों में नियमित सफाई अभियानों के दौरान अनदेखा कर दिया जाता है। अभियान का उद्देश्य इन लक्षित इकाइयों में समयबद्ध तरीके से बदलाव लाना है, जिससे समग्र स्वच्छता प्राप्त करने के व्यापक लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

सफाई मित्र सुरक्षा शिविर : सफाई मित्रों की स्वास्थ्य देखभाल के लिए एकल खिड़की स्वास्थ्य और कल्याण शिविर है। साथ ही इनके माध्यम से केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संदर्भ में भी उन्हें जानकारी प्रदान की जाती है।

स्वच्छता में जन भागीदारी : विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों, समुदायों और संगठनों के बीच जागरूकता बढ़ाने और भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास।

प्रमुख सफलताएं

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान के दौरान उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं, जिसमें लाखों नागरिकों की भागीदारी को सुनिश्चित किया गया। उपेक्षित क्षेत्रों में सुधार और सार्वजनिक भागीदारी को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए इस अभियान के तहत आवासीय क्षेत्रों से लेकर बाज़ारों एवं सड़क किनारे तक विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक प्रयास किए गए। इन प्रयासों को पर्यावरण संबंधी पहलों जैसे कि बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और व्यापक स्वच्छता प्रतिज्ञाओं द्वारा और भी अधिक संपूरित किया गया, जिससे यह अभियान स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बन गया।

निष्कर्ष

देश 'स्वच्छ भारत मिशन' के एक दशक पूरे होने का जश्न मना रहा है। 2 अक्टूबर को 'स्वच्छ भारत दिवस' पर संपन्न हुए स्वच्छता ही सेवा अभियान के दौरान स्वच्छता को लेकर सामूहिक भागीदारी पर जोर दिया गया। यह रिपोर्ट सामुदायिक सहभागिता, स्वयंसेवा और देश भर में स्वच्छता को लेकर शुरू की गई अभिनव परियोजनाओं के माध्यम से की गई महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाती हैं। स्वच्छ भारत दिवस 2024 न केवल इस महान आंदोलन में एक मील का पत्थर है, बल्कि इन प्रयासों को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए प्रत्येक नागरिक से आवश्यक निरंतर प्रतिबद्धता की याद दिलाता है। साझा जिम्मेदारी और समर्पण के माध्यम से स्वच्छ और अधिक टिकाऊ भविष्य हेतु भारत इस विरासत को आगे बढ़ा सकता है। ■

देश भर में 13,822 जन औषधि केंद्र स्थापित

बीते 10 वर्षों में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना से नागरिकों को ब्रांडेड दवाइयों के अनुपात में 30 हजार करोड़ रुपए की बचत हुई

प्रधानमंत्री जन औषधि परियोजना के अंतर्गत 30 सितंबर, 2024 तक देश भर में कुल 13,822 जन औषधि केंद्रों की स्थापना हो चुकी है। उल्लेखनीय रुप से सितंबर, 2024 में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के इतिहास में इन केंद्रों ने अब तक की सबसे अधिक रिकार्ड मासिक 200 करोड़ रुपए की बिक्री दर्ज की।

तुलनात्मक रुप से सितंबर, 2023 में 141 करोड़ रुपए की बिक्री दर्ज की गई थी, जिसमें वर्ष दर वर्ष आधार पर 42 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। ये उल्लेखनीय वृद्धि आम लोगों को वहनीय और सुलभ स्वास्थ्य देखभाल सेवा प्रदान प्रदान करने की सफलता को प्रदर्शित करती है। सितंबर, 2024 तक 913.30 करोड़ रुपए के बिक्री लक्ष्य को प्राप्त करने के साथ ही कुल 31.20 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। लगभग 10 लाख लोग प्रतिदिन जन औषधि केंद्रों से दवाइयों की खरीद कर रहे हैं।

पीएमबीजीपी के अंतर्गत दवाइयों का मूल्य, प्रमुख तीन ब्रांडेड दवाइयों के अधिकतम 50 प्रतिशत के औसत मूल्य के सिद्धांत पर

तय किया जाता है। जन औषधि दवाइयां, शल्य चिकित्सा उपकरण और पौष्टिक औषधि उत्पादों का मूल्य कम से 50 प्रतिशत और कुछ मामलों में बाजार में उपलब्ध ब्रांडेड दवाइयों के मूल्यों की तुलना में 80 से 90 प्रतिशत तक सस्ती हैं। पीएमबीआई भारत में 25 हजार जन औषधि केंद्र स्थापित करने के लक्ष्य के प्रति बेहद तीव्र गति से प्रगति कर रहा है। ■

मंत्रिमंडल ने मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिए जाने को दी स्वीकृति

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तीन अक्टूबर को मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिए जाने को स्वीकृति दी। शास्त्रीय भाषाएं भारत की गहन और प्राचीन सांस्कृतिक विरासत की संरक्षक के रूप में काम करती हैं, जो प्रत्येक समुदाय की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक उपलब्धियों का सार प्रस्तुत करती हैं। ■

चौथी पीढ़ी की बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली के किए गए सफल उड़ान परीक्षण

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 3 और 4 अक्टूबर, 2024 को राजस्थान की पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में चौथी पीढ़ी की तकनीकी रूप से उन्नत छोटे आकार की अति लघु दूरी की वायु रक्षा प्रणाली (वीएसएचओआरएडीएस) के तीन उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे किए। ये परीक्षण ऊंची गति वाले लक्ष्यों पर किए गए, जिसमें अधिकतम सीमा और अधिकतम ऊंचाई अवरोधन के बहुत महत्वपूर्ण मापदंडों का प्रदर्शन किया गया। इन विकास परीक्षणों ने विभिन्न लक्ष्यों से संबंधित परिदृश्यों में हथियार प्रणाली की हिट-टू-किल क्षमता को दोहराने की योग्यता को प्रदर्शित किया, जिसमें निकट आना, पीछे हटना और क्रॉसिंग मोड शामिल हैं।

वीएसएचओआरएडीएस मिसाइलों के विकास का काम पूरा हो चुका है और दो उत्पादन एजेंसियों को विकास सह उत्पादन भागीदार (डीसीपीपी) मोड में लगाया गया है। इन परीक्षणों में डीसीपीपी के माध्यम से प्राप्त मिसाइलों का सफलतापूर्वक उपयोग किया गया है, जिससे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप कम समय में प्रारंभिक उपयोगकर्ता परीक्षणों और उत्पादन का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

वीएसएचओआरएडीएस एक मानव पोर्टेबल वायु रक्षा प्रणाली है जिसे अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई) द्वारा अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और डीसीपीपी के सहयोग से स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है। तीनों सेनाएं शुरू से ही इस परियोजना से जुड़ी हुई हैं और उन्होंने विकास संबंधी परीक्षणों में भाग लिया है।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने सफल विकास परीक्षणों में शामिल डीआरडीओ, सशस्त्र बलों और उद्योग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आधुनिक प्रौद्योगिकियों से युक्त यह नई मिसाइल हवाई खतरों के खिलाफ सशस्त्र बलों को और अधिक तकनीकी प्रोत्साहन देगी। ■

प्रधानमंत्री ने ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स 2024 में भारत के 39वें स्थान पर पहुंचने की सराहना की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 27 सितंबर को ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स 2024 में 133 वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में भारत के 39वें स्थान पर पहुंचने की सराहना की। श्री मोदी ने राष्ट्र के युवाओं के लिए अवसरों को बदल सकने वाले नवाचार के एक जीवंत इकोसिस्टम के निर्माण के प्रति सरकार के समर्पण पर जोर देते हुए इस सफलता को

एक 'उल्लेखनीय उपलब्धि' बताया।

प्रधानमंत्री ने केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल की एक्स पोस्ट को साझा करते हुए कहा, "एक उल्लेखनीय उपलब्धि! हमारी सरकार नवाचार का एक जीवंत इकोसिस्टम सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो युवाओं के जीवन को बदल सकता है।" ■

तीन परम रुद्र सुपरकंप्यूटर राष्ट्र को समर्पित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 26 सितंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लगभग 130 करोड़ रुपये की लागत वाले तीन परम रुद्र सुपरकंप्यूटर राष्ट्र को समर्पित किए। इन सुपरकंप्यूटरों को अग्रणी वैज्ञानिक अनुसंधान को सुविधाजनक बनाने के लिए पुणे, दिल्ली और कोलकाता में तैनात किया गया है।

पुणे में विशाल मीटर रेडियो टेलीस्कोप (जीएमआरटी), फास्ट रेडियो बर्स्ट (एफआरबी) और अन्य खगोलीय घटनाओं का पता लगाने के लिए सुपरकंप्यूटर का लाभ उठाएगा। दिल्ली में अंतर-विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र (आईयूएसी) पदार्थ/भौतिक विज्ञान और परमाणु भौतिकी जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान को बढ़ावा देगा। कोलकाता में एस.एन. बोस केंद्र भौतिकी, ब्रह्मांड विज्ञान और पृथ्वी विज्ञान जैसे क्षेत्रों में उन्नत अनुसंधान को बढ़ावा देगा।

प्रधानमंत्री ने मौसम और जलवायु अनुसंधान के लिए तैयार एक हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग (एचपीसी) प्रणाली का भी उद्घाटन किया। इस परियोजना में 850 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है, जो मौसम संबंधी अनुप्रयोगों के लिए भारत की कम्प्यूटेशनल क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। दो प्रमुख स्थलों— पुणे में भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) और नोएडा में राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र (एनसीएमआरडब्लूएफ) में स्थित इस एचपीसी प्रणाली में असाधारण कंप्यूटिंग क्षमता है।

नई एचपीसी प्रणाली को 'अर्का' और 'अरुणिका' नाम दिया गया है, जो सूर्य के साथ उनके संबंध को दर्शाता है। ये ऊंचे रिजॉल्यूशन वाले मॉडल उष्णकटिबंधीय चक्रवातों, भारी वर्षा, गरज, ओलावृष्टि, भीषण गर्मी, सूखे और अन्य मौसम संबंधी गंभीर घटनाओं से संबंधित भविष्यवाणियों की सटीकता और समय के अनुमान में खासा सुधार करेंगे। ■

केंद्र सरकार ने श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन दरें बढ़ाईं

केंद्र सरकार ने 26 सितंबर को श्रमिकों, विशेषकर असंगठित क्षेत्र के कामगारों को सहायता देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए परिवर्तनशील महंगाई भत्ते (वीडीए) को संशोधित करके न्यूनतम मजदूरी दरों में बढ़ोतरी की घोषणा की। इस निर्णय का उद्देश्य श्रमिकों को जीवनयापन के लिए बढ़ती लागत का सामना करने में मदद करना है।

केंद्रीय क्षेत्र के प्रतिष्ठानों के भीतर भवन निर्माण, माल लादने और उतारने, चौकीदार या प्रहरी, सफाई, शोधन, घर की देख-भाल करने, खनन तथा कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में लगे श्रमिकों को संशोधित मजदूरी दरों से लाभ होगा। नई वेतन दरें 1 अक्टूबर, 2024 से प्रभावी होंगी। इससे पहले श्रमिक दरों का अंतिम संशोधन अप्रैल, 2024 में किया गया था। न्यूनतम मजदूरी दरों को कौशल स्तरों के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है— अकुशल, अर्ध-कुशल, कुशल एवं अत्यधिक कुशल और साथ ही इन्हें भौगोलिक क्षेत्र— ए, बी तथा सी के आधार पर बांटा जाता है।

इस संशोधन के बाद अकुशल कार्य क्षेत्र जैसे निर्माण, सफाई, शोधन, माल लादने और उतारने में श्रमिकों के लिए क्षेत्र 'ए' में न्यूनतम मजदूरी दर 783 रुपये प्रति दिन (20,358 रुपये प्रति माह) होगी, अर्ध-कुशल के लिए 868 रुपये प्रति दिन (22,568 रुपये प्रति माह) होगी। इसके अलावा, कुशल कर्मी, लिपिक और बिना हथियार वाले चौकीदार या प्रहरी के लिए प्रति दिन 954 रुपये (24,804 रुपये प्रति माह) तथा अत्यधिक कुशल और हथियार के साथ चौकीदार या प्रहरी के लिए 1,035 रुपये प्रति दिन (26,910 रुपये प्रति माह) दिए जाएंगे।

केंद्र सरकार औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में छह महीने की औसत वृद्धि के आधार पर साल में दो बार परिवर्तनशील महंगाई भत्ते को संशोधित करती है, जो 1 अप्रैल और 1 अक्टूबर से प्रभावी होती है। ■

आयुष्मान भारत मिशनः लोगों का कल्याण व उनके स्वास्थ्य की रक्षा

जगत प्रकाश नड्डा

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना यानी एबी पीएम-जय योजना की छठी वर्षगांठ गर्व का क्षण है। सितंबर 2018 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू की गई यह योजना आज विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सेवा योजना में से एक बन चुकी है। यह योजना इस सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है कि सभी नागरिकों विशेष रूप से सबसे कमजोर वर्गों के लिए समान स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराई जाए। पिछले छह वर्षों में इस योजना ने लाखों जिंदगियों को छुआ है। उन्हें जीवनरक्षक उपचार प्रदान किया है। उनके जीवन में एक नई आशा जगाई है। आयुष्मान भारत की यात्रा प्रमाण है कि एक राष्ट्र जब अपने लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण को बेहतर बनाने के लक्ष्य के साथ एकजुट होता है तो क्या कुछ हासिल कर सकता है।

आयुष्मान भारत का मुख्य मिशन यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी भारतीय अपनी वित्तीय स्थिति के कारण स्वास्थ्य सेवा से वंचित न रहे। माध्यमिक और तृतीयक अस्पताल देखभाल को कवर करने के लिए प्रति परिवार पांच लाख रुपये के वार्षिक कवरेज के साथ इस योजना ने आर्थिक रूप से वंचित परिवारों को देश के कुछ सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों में निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा की सुविधा उपलब्ध कराई है।

बीते दिनों ही सरकार द्वारा 70 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के नागरिकों के लिए इस योजना का विस्तार करने का निर्णय लिया गया है, जो देश के बदलते जनसांख्यिकीय परिदृश्य को देखते हुए महत्वपूर्ण कदम है। इससे पहले, सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता, जैसे कि आशा बहनों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आंगनवाड़ी सहायकों के परिवारों को योजना के दायरे में लाया गया था।

आज 55 करोड़ से अधिक लोग इस योजना के तहत मुफ्त स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पात्र हैं। इसमें अभी तक 7.5 करोड़ से अधिक सफल उपचार हुए हैं, जिन पर एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का खर्च हुआ है। यह एक बड़ी उपलब्धि है। जो परिवार स्वास्थ्य खर्च के कारण गरीबी के शिकंजे में फंस जाते थे, उनके लिए यह योजना वित्तीय ढाल साबित हो रही है। योजना के तहत लाभार्थी किसानों से लेकर दैनिक मजदूरों तक ने कहा है कि यह योजना उन्हें आर्थिक परेशानी से बचा रही है। इस मायने में आयुष्मान भारत योजना अपने वादे पर खरी उतरी है।

आज 55 करोड़ से अधिक लोग इस योजना के तहत मुफ्त स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पात्र हैं। इसमें अभी तक 7.5 करोड़ से अधिक सफल उपचार हुए हैं, जिन पर एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का खर्च हुआ है। यह एक बड़ी उपलब्धि है। जो परिवार स्वास्थ्य खर्च के कारण गरीबी के शिकंजे में फंस जाते थे, उनके लिए यह योजना वित्तीय ढाल साबित हो रही है

इस योजना में उपचार का दायरा भी बहुत व्यापक है, जो 1900 से अधिक चिकित्सा प्रक्रियाओं को कवर करता है। इनमें हार्ट की बाईपास या ज्वाइंट रिप्लेसमेंट जैसी जटिल सर्जरी से लेकर कैंसर और गुर्दे की बीमारियों के उपचार तक शामिल हैं। ये ऐसे उपचार हैं जो पहले तमाम लोगों के लिए पहुंच से बाहर थे, लेकिन अब इस योजना ने उन्हें सुलभ, किफायती और सभी के लिए उपलब्ध बना दिया है। एबी पीएम जय की एक विशेषता इसका एक मजबूत स्वास्थ्य सेवा प्रदाता नेटवर्क तैयार करने की क्षमता रही है।

आज, देश के 29,000 से अधिक अस्पताल, जिनमें 13,000 से अधिक निजी अस्पताल शामिल हैं, इस योजना के तहत सूचीबद्ध हैं। यह नेटवर्क ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों तक फैला हुआ है, जिससे सुनिश्चित होता है कि देश के सबसे दूरस्थ हिस्सों में रहने वालों को भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। योजना की अनूठी पोर्टेबिलिटी सुविधा ने यह सुनिश्चित किया है कि लाभार्थी अपने राज्य के अलावा देश भर के अस्पतालों में इलाज करा सकते हैं।

इस विशाल नेटवर्क को एक मजबूत आइटी बुनियादी ढांचे से लैस किया गया है, जो दावों के निपटान में पारदर्शिता, दक्षता और गति सुनिश्चित करता है। आधार आधारित बायोमीट्रिक सत्यापन और पेपरलेस क्लेम प्रोसेसिंग ने धोखाधड़ी और अक्षमता को काफी हद तक कम किया है। आयुष्मान भारत की सफलता ने स्वास्थ्य सेवा तंत्र के अन्य हिस्सों में भी सुधार को उत्प्रेरित किया है। योजना के गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा पर जोर ने सार्वजनिक और निजी दोनों अस्पतालों को अपने बुनियादी ढांचे और सेवाओं को उन्नत करने के लिए प्रेरित किया है।

एबी पीएम जय के साथ-साथ, सरकार आयुष्मान आरोग्य मंदिर यानी एएएम के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने पर भी काम कर रही है। अब तक देश में 1.73 लाख से अधिक आरोग्य मंदिर स्थापित किए जा चुके हैं, जो सामान्य बीमारियों और मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कैंसर जैसी परिस्थितियों के

लिए मुफ्त स्क्रीनिंग, निदान और दवाएं प्रदान कर रहे हैं। कल्याण (वेलनेस) और प्रारंभिक निदान को बढ़ावा देकर हम अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता को कम करने और स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को लंबे समय में और अधिक स्थायी बनाने की उम्मीद करते हैं।

आयुष्मान भारत की उपलब्धियों पर अभिभूत होने के साथ ही हमें भावी चुनौतियों को भी स्वीकार करना चाहिए। योजना का पैमाना विशाल है और इसके साथ इसे लगातार अनुकूलित, परिष्कृत और सुधारने की जिम्मेदारी आती है। हम योजना की पहुंच को बढ़ाने, अस्पतालों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने और हर लाभार्थी को प्रदान की जाने वाली चिकित्सा सेवा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

भारत की समग्र, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा की इस यात्रा को और सुगम बनाने के लिए हम आयुष्मान भारत को मजबूत करना जारी रखेंगे। हम उपचारों की सूची का विस्तार करने, सूचीबद्ध अस्पतालों की संख्या बढ़ाने और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के सफल निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

किसी भी राष्ट्र का स्वास्थ्य उसकी समृद्धि की नींव है। स्वस्थ जनता देश के विकास, उत्पादकता और नवाचार में योगदान करने में सक्षम होती है। आयुष्मान भारत इस स्वस्थ, मजबूत और विकसित भारत की संकल्पना का केंद्र है। इस योजना की सफलता सरकार, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और लोगों के बीच की गई कड़ी मेहनत, समर्पण और सहयोग को दर्शाती है।

आज, देश के 29,000 से अधिक अस्पताल, जिनमें 13,000 से अधिक निजी अस्पताल शामिल हैं, इस योजना के तहत सूचीबद्ध हैं। यह नेटवर्क ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों तक फैला हुआ है, जिससे सुनिश्चित होता है कि देश के सबसे दूरस्थ हिस्सों में रहने वालों को भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। योजना की अनूठी पोर्टेबिलिटी सुविधा ने यह सुनिश्चित किया है कि लाभार्थी अपने राज्य के अलावा देश भर के अस्पतालों में इलाज करा सकते हैं

हम प्रत्येक नागरिक के कल्याण और स्वास्थ्य को लेकर प्रतिबद्ध हैं। इस योजना की छठी वर्षगांठ पर आइए, हम सभी नागरिकों के लिए एक समावेशी, सुलभ और सहानुभूतिपूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं। हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ भारत के निर्माण की यात्रा को जारी रखेंगे। जय हिंद! ■

(लेखक भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री हैं)

सिरमौर और देहरा में नवनिर्मित भाजपा जिला कार्यालयों का उद्घाटन

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा 4 और 5 अक्टूबर, 2024 को हिमाचल प्रदेश के दौरे पर रहे। इस यात्रा के पहले दिन भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने एम्स, बिलासपुर का दौरा किया और अधिकारियों से बातचीत की। अपने दौरे के दौरान उन्होंने हाल ही में किडनी ट्रांसप्लांट सर्जरी करवाने वाले पहले किडनी ट्रांसप्लांट प्राप्तकर्ता और डोनर से बातचीत की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का हिमाचल प्रवास

श्री नड्डा ने एम्स बिलासपुर में इसके संचालन के कुछ ही समय में प्रत्यारोपण सेवाएं शुरू करने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

वहीं, दूसरे दिन श्री नड्डा ने कांगड़ा जिले के सिरमौर और देहरा में भाजपा जिला कार्यालयों के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया और भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। ■

विश्व 'मेक इन इंडिया' चाहता है

10 साल की यह एक उल्लेखनीय यात्रा रही है, जिसने औद्योगिक क्षेत्रों को नया उत्साह दिया है और इन्हें विकास के इंजन में बदल दिया है। यह न केवल घरेलू मांग को पूरा कर रहे हैं, बल्कि निर्यात को गति देने में भी अपना योगदान दे रहे हैं

पीयूष गोयल

25 सितंबर को देश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिवर्तनकारी 'मेक इन इंडिया' पहल के 10 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया। यह पहल एक ओर रोजगार सृजन करने वाले निवेश को आकर्षित कर रही, वही दूसरी ओर अनेक नागरिकों को धन सृजनकर्ता बनने का आत्मविश्वास देकर भारत के औद्योगिक परिदृश्य में बदलाव ला रही है।

यह 10 साल की एक उल्लेखनीय यात्रा रही है, जिसने औद्योगिक क्षेत्रों को नया जोश दिया है और इन्हें विकास के इंजन में बदल दिया है। यह न केवल घरेलू मांग को पूरा कर रहे हैं, बल्कि निर्यात को गति देने में भी अपना योगदान दे रहे हैं। यह रोमांचक यात्रा एक कठिन समय में शुरू हुई, जब घरेलू निवेशक नीतिगत पक्षाघात और निर्णय लेने में अक्षम कांग्रेस सरकार के खराब शासन के कारण निराश थे। अर्थव्यवस्था नीचे की ओर जा रही थी, कारोबारियों का आत्मविश्वास टूट रहा था, भ्रष्टाचार के मामले नियमित तौर पर सुर्खियों में छाए हुए थे, मुद्रास्फीति बढ़ रही थी, ब्याज दरें ऊंची थीं और रुपये का भविष्य अनिश्चित था।

निराशा की इस भावना को खत्म करने के लिए हमारे मतदाताओं ने एक निर्णायक फैसला दिया और फिर प्रधानमंत्री मोदी का चयन किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत के लिए एक नया दृष्टिकोण लेकर आए। वह यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि भारत एक वैश्विक महाशक्ति बनें। वह चाहते थे कि भारत युवाओं को रोजगार एवं अवसर प्रदान किये जा सकें, क्योंकि वह मानते थे कि देश की सफलता की कहानी के लिए विनिर्माण क्षेत्र महत्वपूर्ण है। तभी प्रधानमंत्री ने 'मेक इन इंडिया' पहल की शुरुआत की।

यह दस साल का सफर एक उल्लेखनीय यात्रा रही है, परंतु यह भी मोदी सरकार द्वारा किए गए अन्य बहुआयामी और परिवर्तनकारी बदलावों के बिना यह संभव नहीं हो पाता। इन पहलों में जीएसटी, दिवालियापन संहिता और कई अन्य सुधार शामिल हैं। व्यापार करने में आसानी को बेहतर बनाने के लिए 42,000 अनुपालन आवश्यकताओं को समाप्त कर दिया गया और छोटे व्यवसायों को उत्पीड़न से बचाने के लिए विभिन्न कानूनों के 3,700 प्रावधानों को हटा दिया गया, जिनमें मामूली अपराधों के लिए भी आपराधिक दंड का प्रावधान था। भारत ने विश्व बैंक की डूइंग बिजनेस रिपोर्ट में अपनी रैंकिंग में तेजी से सुधार किया – जो 2014 के 142 से बढ़कर 2019 में 63 हो गयी।

व्यापार करने में आसानी को बेहतर बनाने के लिए 42,000 अनुपालन आवश्यकताओं को समाप्त कर दिया गया और छोटे व्यवसायों को उत्पीड़न से बचाने के लिए विभिन्न कानूनों के 3,700 प्रावधानों को हटा दिया गया, जिनमें मामूली अपराधों के लिए भी आपराधिक दंड का प्रावधान था। भारत ने विश्व बैंक की डूइंग बिजनेस रिपोर्ट में अपनी रैंकिंग में तेजी से सुधार किया – जो 2014 के 142 से बढ़कर 2019 में 63 हो गयी

सरकार की 'स्टार्टअप इंडिया' पहल ने नौकरी चाहने वालों को नौकरी देने वाला बनने के लिए प्रोत्साहित किया है। इससे इस साल जून में मान्यता प्राप्त स्टार्टअप की संख्या बढ़कर 1,40,803 हो गई है, जिससे निवेश आया है और 15 लाख से ज्यादा नौकरियां पैदा हुई हैं। ये स्टार्टअप देश में इनोवेशन इकोसिस्टम को आगे बढ़ा रहे हैं, स्वच्छता, अंतरिक्ष नेविगेशन, खाद्य अपव्यय को कम करने, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में सुधार और महिलाओं को सशक्त बनाने जैसे क्षेत्रों को लेकर उनके समाधान पर काम कर रहे हैं।

11 औद्योगिक गलियारों का विकास एक अन्य प्रमुख क्षेत्र है। इस कार्यक्रम के तहत 20 औद्योगिक स्मार्ट शहर विकसित किए जा रहे हैं, जो इन गलियारों को भारत के विनिर्माण विकास की रीढ़ बनाने में मदद करेंगे। इनमें से चार स्मार्ट शहर पहले से ही निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुके हैं, क्योंकि यहां विनिर्माण इकाइयों को स्थापित करने के लिए अवश्यक बुनियादी ढांचा और अन्य मंजूरी प्रदान की जा चुकी है। इन केंद्रों के लिए 1.7 लाख करोड़ रुपये के संभावित निवेश की प्रतिबद्धता मिल चुकी है, जिससे 80,000 लोगों को प्रत्यक्ष और कई अन्य लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।

सरकार की पीएलआई योजना इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल और मेडिकल डिवाइस जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करती हैं, ताकि इनके सतत विकास के लिए एक इको-सिस्टम तैयार किया जा सके और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए इन्हें तैयार किया जा

सके। पीएलआई योजनाओं के परिणामस्वरूप 1.32 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ है और विनिर्माण उत्पादन में लगभग 11 लाख करोड़ रुपये की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस पहल के माध्यम से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 8.5 लाख से अधिक नौकरियां पैदा हुई हैं।

बुनियादी ढांचा निर्माण पर प्रधानमंत्री का जोर विनिर्माण के लिए एक और प्रोत्साहन रहा है। वस्तुओं और सेवाओं की मांग पैदा करने के अलावा बुनियादी ढांचे का विकास औद्योगिक गतिविधि का एक प्रमुख कारक होता है। आज, भारत में एक्सप्रेसवे और राजमार्गों का एक विशाल एवं बढ़ता हुआ नेटवर्क है। नए विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन बनाए जा रहे हैं, साथ ही नए माल ढुलाई गलियारे बन रहे हैं।

भारत को निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य के रूप में देखा जा रहा है। देश 4डी लाभ प्रदान कर रहा है — प्रधानमंत्री मोदी का निर्णायक नेतृत्व; हमारे युवा, प्रतिभाशाली, कुशल भारतीयों का जनसांख्यिकीय लाभांश; 140 करोड़ भारतीयों द्वारा उत्पन्न की जाने वाली मांग; और लोकतंत्र जो निवेशकों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करता है। यहां कानून का शासन है जो कभी भी किसी के खिलाफ भेदभाव की अनुमति नहीं देगा। 4डी भारत में निर्माताओं को आकर्षित करने के लिए बहुत ही आकर्षक विषय है।

पीएलआई योजनाओं के परिणामस्वरूप 1.32 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ है और विनिर्माण उत्पादन में लगभग 11 लाख करोड़ रुपये की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस पहल के माध्यम से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 8.5 लाख से अधिक नौकरियां पैदा हुई हैं

निवेशकों में काफी उत्साह है। कई प्रतिनिधिमंडल भारत आ रहे हैं, जो निवेश करने और भारतीय विकास की कहानी हिस्सा बनने के लिए अवसरों की तलाश में हैं। विदेशी सरकारें और वैश्विक सीईओ भारत में अवसरों पर नजर गड़ाए हुए हैं। कई देश भारत के साथ व्यापार समझौते करने के इच्छुक हैं।

दुनिया अब भारत को विनिर्माण गंतव्य के रूप में देख रही है और इसका मुख्य कारण भारत का अपना प्रतिस्पर्धी लाभ और मजबूत आर्थिक बुनियादी ढांचा है। आज, मुद्रास्फीति नियंत्रण में है, आर्थिक विकास मजबूत है और मोदी सरकार सख्त राजकोषीय अनुशासन का पालन कर रही है। संघर्ष और अनिश्चितता से ग्रस्त वर्तमान वैश्विक स्थिति में यह और भी सराहनीय है।

प्रधानमंत्री मोदी की पहलों ने भारत को 2014 में दुनिया के 'फ्रैजाइल फाइव' देशों में से एक की स्थिति से ऊपर उठने में मदद की है और अब वह शीर्ष पांच वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है। वास्तव में प्रधानमंत्री मोदी की 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों ने पिछले 10 वर्षों को एक परिवर्तनकारी दशक बनाने में योगदान दिया है, जो कांग्रेस शासन के खोए हुए दशक से आगे बढ़कर एक बड़ी छलांग लगा रहा है। ■

(लेखक केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री हैं)

मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहब फाल्के पुरस्कार से किया गया सम्मानित

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आठ अक्टूबर, 2024 को नई दिल्ली में भाजपा नेता और महान कलाकार श्री मिथुन चक्रवर्ती को वर्ष 2022 के लिए दादा साहब फाल्के लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया।

उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय सूचना और प्रसारण, रेलवे तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने भारतीय सिनेमा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के सम्मान में 30 सितंबर को इस पुरस्कार की घोषणा की। केन्द्रीय मंत्री ने फिल्म उद्योग के सबसे लोकप्रिय एवं प्रतिष्ठित हस्तियों में से एक इस अभिनेता को सम्मानित करते हुए बेहद खुशी और गर्व व्यक्त किया, जो अपने बहुमुखी अभिनय और करिश्माई स्क्रीन उपस्थिति के लिए जाने जाते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री मिथुन चक्रवर्ती को भारतीय सिनेमा में उनके अद्वितीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर बधाई दी। अभिनेता की प्रशंसा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि मिथुन दा एक सांस्कृतिक प्रतिभा के प्रतीक हैं और उन्हें अपने बहुमुखी अभिनय के लिए पीढ़ियों से सराहा जाता रहा है।

केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के संदेश पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने अपनी एक पोस्ट में लिखा, "मुझे प्रसन्नता है कि श्री मिथुन चक्रवर्ती जी को भारतीय सिनेमा में उनके अद्वितीय योगदान को मान्यता देते हुए प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। वह एक सांस्कृतिक प्रतिभा के प्रतीक हैं, जिन्हें उनके बहुमुखी अभिनय के लिए पीढ़ियों से सराहा जाता रहा है। उन्हें बधाई और शुभकामनाएं।" ■

सेमीकंडक्टर क्रांतिः भारत की तकनीकी व भू-राजनीतिक प्रभाव का नया युग

अरुण सिंह

11 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने सेमीकॉन इंडिया 2024 के तीन दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन किया और वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग को एक प्रभावी संदेश दिया। पीएम मोदी ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विकास को आगे बढ़ाने वाले सरकार की सुधार-उन्मुख प्रतिबद्धता, बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर और भारत के बढ़ते सामर्थ्यवान बाजार जैसे तीन महत्वपूर्ण कारकों को अहम बताया। उन्होंने भारत सरकार की स्थिर और दूरगामी नीतियों और बेहतर व्यापारिक माहौल का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दिया कि भारत में मौजूदा माहौल निवेश के लिए विश्व में सबसे फायदेमंद है।

चौथी औद्योगिक क्रांति में देश को वैश्विक शीर्ष पर स्थापित करने और 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत को एक मजबूत सेमीकंडक्टर उद्योग विकसित करना होगा। सेमीकंडक्टर अभी आधुनिक तकनीकियों हेतु आधारभूत है, जो स्मार्टफोन, कंप्यूटर और उन्नत विनिर्माण प्रणालियों में नवाचारों को बढ़ावा देते हैं। मोदी सरकार जानती है कि तकनीकी प्रगति, आर्थिक विकास और रणनीतिक स्वायत्तता हेतु एक मजबूत घरेलू सेमीकंडक्टर सेक्टर बेहद महत्वपूर्ण है। यह आयात पर निर्भरता को कम करेगा, आर्थिक स्थिरता को बढ़ाएगा और उच्च वेतन वाली नौकरियां पैदा करेगा। इसके अतिरिक्त, सेमीकंडक्टर सेक्टर राष्ट्रीय सुरक्षा, रक्षा और बुनियादी ढांचा प्रणालियों को मजबूत करते हैं और आत्मनिर्भरता को बढ़ाते हैं। इस उद्योग को आगे बढ़ाकर, देश इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोटिव और दूरसंचार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करेगा, जिससे महत्वपूर्ण वैश्विक निवेश आकर्षित होगा। अंततः, सेमीकंडक्टर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक है, जो चौथी औद्योगिक क्रांति में सफल होने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

> चौथी औद्योगिक क्रांति में देश को वैश्विक शीर्ष पर स्थापित करने और 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत को एक मजबूत सेमीकंडक्टर उद्योग विकसित करना होगा। सेमीकंडक्टर अभी आधुनिक तकनीकियों हेतु आधारभूत है, जो स्मार्टफोन, कंप्यूटर और उन्नत विनिर्माण प्रणालियों में नवाचारों को बढ़ावा देते हैं

अमेरिका, चीन और जापान के आर्थिक परिदृश्य में सेमीकंडक्टर उद्योग

अमेरिका में सेमीकंडक्टर क्षेत्र ने 2022 में लगभग 287 बिलियन डॉलर का राजस्व उत्पन्न किया, जो वैश्विक बाजार का लगभग 50% है। इसने 250,000 से अधिक प्रत्यक्ष नौकरियों और आपूर्ति श्रृंखला में दस लाख अतिरिक्त नौकरियों के द्वारा अमेरिका के आर्थिक विकास और नवाचार में योगदान दिया। इस उद्योग ने अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाया है, इसकी उन्नत प्रौद्योगिकियां रक्षा प्रणालियों और रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण रहीं, जिससे अमेरिका ने रक्षा निर्यात में अपनी धमक बनाई है। इसके अलावा, सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश किए गए प्रत्येक डॉलर के द्वारा अमेरिका की अर्थव्यवस्था में लगभग 3.50 डॉलर का सृजन हुआ, जो ऑटोमोटिव और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे विभिन्न उद्योगों में इसके गुणात्मक प्रभाव को प्रदर्शित करता है।

पिछले दशक में आत्मनिर्भरता हासिल करने के उद्देश्य से किए गए 150 बिलियन डॉलर से अधिक के निवेश से चीन का सेमीकंडक्टर उद्योग तेजी से बढ़ा है। 2023 में चीन में इस उद्योग का मूल्य लगभग 200 बिलियन डॉलर था। चीन 2025 तक अपने सेमीकंडक्टर की 70% मांग को घरेलू स्तर पर पूरा करने का प्रयास कर रहा है। चीन द्वारा अनुसंधान और विकास में निवेश ने 5G और AI जैसे प्रमुख क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा दिया है, जिससे चीन 2035 तक एक उच्च तकनीक का लीडर बनने के अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है।

जापान का सेमीकंडक्टर बाजार, जिसका मूल्य 2023 में लगभग 48 बिलियन डॉलर रहा, वैश्विक उत्पादन और तकनीकी नवाचार में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बना हुआ है, जिसमें सोनी और तोशिबा जैसी कंपनियां अग्रणी हैं। जापान ने 2022 में 30 बिलियन डॉलर के सेमीकंडक्टर उत्पादों का निर्यात किया, जिससे उसका व्यापार संतुलन मजबूत हुआ। सेमीकंडक्टर अनुसंधान और विकास में सालाना 10 बिलियन डॉलर से अधिक निवेश के साथ जापान उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक्स और स्वचालन में प्रगति को आगे बढ़ाता रहता है। रणनीतिक अंतरराष्ट्रीय साझेदारी वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में जापान की भूमिका को और बढ़ाती है।

भारत, वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग का नया सितारा

मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने खुद को वैश्विक सेमीकंडक्टर विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने की महत्वाकांक्षी यात्रा शुरू की है। मोदी सरकार की रणनीतिक पहल और निजी क्षेत्र के निवेश के समर्थन से देश अपने सेमीकंडक्टर परिदृश्य को तेज़ी से बदल रहा है। प्रमुख सेमीकंडक्टर परियोजनाओं की स्वीकृति और पूरे भारत में उन्नत सुविधाओं की स्थापना सहित हाल के घटनाक्रम वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने के लिए देश की प्रतिबद्धता का संकेत देते हैं। भारतीय सेमीकंडक्टर मिशन (ISM) इस परिदृश्य को नया आकार देने, आर्थिक विकास, नवाचार और तकनीकी आत्मनिर्भरता के अवसर पैदा करने में महत्वपूर्ण रहा है।

भारतीय सेमीकंडक्टर मिशन प्रधानमंत्री मोदी का विजन है, जिसका उद्देश्य भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, सेमीकंडक्टर डिजाइन, प्रेसिजन मैन्युफैक्चरिंग और नवाचार में अग्रणी बनाना है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर में आत्मनिर्भरता के इस विजन को माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी ने अपने तीसरे कार्यकाल के प्रारंभ में ही और गति दी है। एक मजबूत सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम बनाने के लक्ष्य के साथ शुरू किया गया ISM अब खुद को वैश्विक सेमीकंडक्टर पावरहाउस के रूप में स्थापित करने के भारत के प्रयासों में सबसे आगे है। भारत सेमीकंडक्टर मिशन (ISM) ने पांच सेमीकंडक्टर इकाइयों को मंजूरी दी है, जिन्हें भारत में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण, पारिस्थितिकी तंत्र के विकास कार्यक्रम के तहत केंद्र और राज्य सरकार की सब्सिडी मिलेगी, जिसका कुल परिव्यय 76,000 करोड़ रुपये है।

भारत में उभरती प्रमुख सेमीकंडक्टर सुविधाएं

भारत के विस्तारित सेमीकंडक्टर परिदृश्य को देश भर में निर्माणाधीन कई महत्वपूर्ण सुविधाओं द्वारा आकार दिया जा रहा है। ये अत्याधुनिक परियोजनाएं न केवल भारत की बढ़ती तकनीकी शक्ति का प्रतीक हैं, बल्कि सेमीकंडक्टर निर्माण में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की देश की महत्वाकांक्षा में भी योगदान देती हैं।

1. **माइक्रोन की OSAT इकाई, साणंद, गुजरात:** भारत के सेमीकंडक्टर विस्तार में प्रमुख कंपनियों में से एक अमेरिकी चिप निर्माता माइक्रोन टेक्नोलॉजी है। यह कंपनी गुजरात के साणंद में आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्टिंग (OSAT) सुविधा का निर्माण कर रही है, जिसमें कुल 2.75 बिलियन डॉलर का निवेश किया जाएगा। जून, 2023 में स्वीकृत इस परियोजना को केंद्र और गुजरात सरकार द्वारा सह-वित्तपोषित किया जा रहा है, जो क्रमशः 50% और 20% निवेश का योगदान दे रही हैं। यह सुविधा DRAM और NAND उत्पादों को असेंबल करने और परीक्षण करने पर ध्यान केंद्रित करेगी, जो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों की जरूरतों को पूरा करेगी। 2025 के मध्य तक पहली मेड-इन-इंडिया चिप्स का उत्पादन करने की उम्मीद है, माइक्रोन का प्लांट वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में अधिक गंभीरता से एकीकृत करने के भारत के प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

> **भारतीय सेमीकंडक्टर मिशन प्रधानमंत्री मोदी का विजन है, जिसका उद्देश्य भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, सेमीकंडक्टर डिजाइन, प्रेसिजन मैन्युफैक्चरिंग और नवाचार में अग्रणी बनाना है**

2. **भारत का पहला चिप फैब्रिकेशन प्लांट, धोलेरा, गुजरात:** भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम गुजरात के धोलेरा में देश के पहले चिप फैब्रिकेशन प्लांट का निर्माण है। यह मेगा-फ़ैब टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और ताइवान के प्रमुख चिपमेकर्स में से एक पॉवरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन (PSMC) के बीच एक संयुक्त उद्यम है। 91,000 करोड़ रुपये के बड़े निवेश के साथ इस सुविधा का लक्ष्य प्रति माह 50,000 वेफ़र्स का उत्पादन करना है। मार्च, 2024 में प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्थापित, धोलेरा प्लांट ऑटोमोटिव, कंप्यूटिंग, संचार और AI जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसमें दिसंबर, 2026 तक सेमीकंडक्टर का पहला बैच आने की उम्मीद है। यह सुविधा भारत की सेमीकंडक्टर निर्माण क्षमताओं को मजबूत करने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए भारत के प्रयास का प्रतिनिधित्व करती है।

3. **भारत की पहली स्वदेशी सेमीकंडक्टर असेंबली और परीक्षण सुविधा, मोरीगांव असम:** सेमीकंडक्टर उद्योग को विकेंद्रीकृत करने और नए क्षेत्रों में विकास लाने के प्रयास में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स असम के मोरीगांव में भारत की पहली ग्रीनफील्ड सेमीकंडक्टर असेंबली और परीक्षण सुविधा स्थापित कर रही है। 27,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ यह सुविधा 27,000 से अधिक नौकरियों का सृजन करेगी और सेमीकंडक्टर असेंबली, परीक्षण और पैकेजिंग के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में काम करेगी। प्लांट वायर बॉन्ड, फ्लिप चिप और इंटीग्रेटेड सिस्टम पैकेजिंग (ISP) तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसकी क्षमता प्रतिदिन 48 मिलियन चिप्स का उत्पादन करने की है। 2025 के मध्य तक परिचालन शुरू होने की उम्मीद है, जिससे यह सुविधा पूर्वोत्तर क्षेत्र में भारत की सेमीकंडक्टर महत्वाकांक्षाओं की आधारशिला बन जाएगी।.... ■

(शेष अगले अंक में)

(लेखक राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हैं)

कांग्रेस की विभाजनकारी सोच

शिवप्रकाश

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 8 फ़रवरी, 2022 को राज्यसभा में एवं अनेक सार्वजनिक सभाओं के अपने भाषण में कहा कि कांग्रेस अपनी दिशा से भटक गई है। वह अपने जन्मकाल से जिस मार्ग पर चली थी एवं महात्मा गांधी जी सहित उसके राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा जो दिशा उसे दी गई थी उससे भटककर वामपंथियों विचारों से दिशा प्राप्त कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आरोप का कारण है, क्योंकि कांग्रेस के सिद्धांत स्वदेशी, स्वावलंबन, पंचायतराज आदि उनके हुआ करते थे। महात्मा गांधी ने मतान्तरण का विरोध एवं गाय का रक्षण आदि विषयों पर प्रखरता से अपने विचार व्यक्त किये थे। महात्मा गांधी जी द्वारा 1920 के बाद कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से जिन विषयों के पालन का आग्रह किया गया था, उनमे अस्पृश्यता, जातिगत भेदभाव, शराबखोरी, पर्दा, महिला उत्पीड़न एवं अशिक्षा आदि थे। कांग्रेस के अनेक सिद्धान्तों में से एक संपूर्ण समाज में राष्ट्रीय भाव का विकास करना भी था। लेकिन यह सिद्धांत आज की कांग्रेस में दिखाई नहीं देते हैं।

कांग्रेसी नेता श्री राहुल गांधी का अभी कुछ समय पूर्व सम्पन्न अमेरिका प्रवास मीडिया में चर्चित रहा, जिसमें उन्होंने सिख युवक को आधार बनाकर जिस प्रकार की टिप्पणी की वह समाज में भेदभाव की रेखा को खींचने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि अब भारत में सिख पहचान पर संकट है, जो वास्तविकता से कोसों दूर है। उनकी टिप्पणी को आधार बनाकर आतंकियों एवं खालिस्तान समर्थकों ने इस भेदभाव को बढ़ाने का कार्य किया और उनके वक्तव्य का समर्थन भी किया। भाजपा केवल हिन्दी भाषियों की समर्थक है और वह दक्षिण की भाषाओं को पसंद नहीं करती है, तेलुगू का उदाहरण देकर यह आरोप भी लगाया। लोकसभा 2024 के आम चुनाव में भी संविधान परिवर्तन एवं आरक्षण समाप्ति का भ्रम फैलाकर समाज में असंतोष निर्माण करने का कार्य भी उन्होंने किया, जबकि आपातकाल को थोपकर उनकी ही पार्टी ने संविधान का गला घोंटने का कार्य किया था। आदिवासी, दलित एवं मुस्लिम गठजोड़ बनाकर चुनाव में सफलता प्राप्त करने के लिए ही उन्होंने यह भ्रम फैलाया। इसी के साथ–साथ वे उत्तर-दक्षिण का भेद, दलित, मुस्लिम, आदिवासी, सिख जैसे विभाजनकारी मुद्दे उठाते रहे हैं। अंग्रेजों द्वारा गढ़ित यह सिद्धांत कि भारत एक राष्ट्र नहीं राज्यों का समूह (Union Of States) है, श्री राहुल गांधी यह भी स्थापित कर रहे हैं। जबकि हजारों वर्ष से भारत एक राष्ट्र है, राज्यों का समूह नहीं। "वयं राष्ट्रे जागृयाम पुरोहिताः" कहकर वेदों में इस भाव को उद्भाषित किया है। प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरु जी द्वारा यह इच्छा व्यक्त करना कि "मेरी मृत्यु के बाद मेरी राख को गंगा में प्रवाहित किया जाए" भारत मां के प्रति उनमें यह भक्तिभाव ही प्रकट होता है। इस षड्यंत्र में उनके साथ भारत में विभेद उत्पन्न करने वाली शक्तियां, वामपंथी समूह एवं इन्हीं विचारों को पोषित करने वाले आंतरिक-वाह्य समूह पर्दे के पीछे से उनका समर्थन करते रहे हैं।

कांग्रेसी नेता श्री राहुल गांधी का अभी कुछ समय पूर्व सम्पन्न अमेरिका प्रवास मीडिया में चर्चित रहा, जिसमें उन्होंने सिख युवक को आधार बनाकर जिस प्रकार की टिप्पणी की वह समाज में भेदभाव की रेखा को खींचने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि अब भारत में सिख पहचान पर संकट है, जो वास्तविकता से कोसों दूर है

भारतीय समाज में विभाजक रेखाओं (Fault Line) को विस्तृत कर भारत की सांस्कृतिक व सामाजिक विविधताओं को सामाजिक संघर्ष में बदलने का जो कार्य अंग्रेजों ने किया, वही कांग्रेस व अन्य विपक्षी दल कर रहे हैं। 1857 की क्रांति के उपरांत ब्रिटिश सत्ता को स्थायित्व प्रदान करने के लिए अंग्रेजी हुकूमत, अंग्रेजों द्वारा स्थापित विद्वान एवं चर्च-मिशनरी तीनों ने मिलकर जो एजेण्डा तैयार किया था उसमें दलित एवं आदिवासी को हिन्दू समाज से सेवा एवं मतांतरण द्वारा अलग करने का कुत्सित प्रयास था। अरुण शौरी ने अपनी पुस्तक 'भारत में ईसाई प्रचार तंत्र' में इसका विस्तृत वर्णन किया है। कुछ मात्रा में वह इसमें सफल भी हुए हैं। आदिवासी, दलित, मुस्लिम गठजोड़ यह उनकी कल्पना थी। इसी के अंतर्गत मुस्लिम लीग की स्थापना करायी गयी। मुहम्मद अली जिन्ना के साथ आदिवासी नेता श्री जयपाल सिंह मुंडा का मिलन तत्कालीन बिहार के गवर्नर सर मौरिस गार्नियर हैलट द्वारा कराया गया। इसी क्रम में 1946 में झारखंड, छोटा नागपुर पाकिस्तान सम्मेलन का आयोजन भी राची में हुआ था। अंग्रेज कांग्रेस का राज "हिन्दू राज" होगा यह कहकर आदिवासी एवं दलितों को डराने का कार्य करते थे। तत्कालीन बंगाल के नेता जोगेन्द्र नाथ मण्डल का मुस्लिम लीग के साथ सम्बन्ध उसी श्रृंखला की कड़ी थी। मद्रास के अपने 28 वें अधिवेशन में मुस्लिम लीग के नेता मुहम्मद अली जिन्ना ने अपने मंच

से द्रविड़स्तान की मांग उठायी थी और तमिलनाडु के दलित नेताओं से कहा था कि "मेरी आप लोगो के साथ पूरी संवेदना है और द्रविड़स्तान बनाने के लिए जो मुझसे हो सकेगा वह मैं करूंगा।" इसी मांग को सर्वप्रथम ईसाई पादरी कोल्डवेल ने उठाया था। सिख समाज में यही अलगाव के बीज मैक्स ऑर्थर मैकलिंफ़ ने बोए थे। प्रसिद्ध इतिहासकार सरदार खुशवंत सिंह ने अपने ग्रंथ 'द सिख गुरूस, सेक्रेड रायटिंग्स एंड ऑथर्स' की प्रस्तावना में इसका उल्लेख किया है। इन सिद्धांतों को व्यवहार रूप में लाने के लिए मनगढ़ंत तर्क, साहित्य रचना, असत्य प्रचार, मान्यताओं को विकृत करना, इस आधार पर कार्यक्रमों की रचना कर सभी उपक्रम किए गए और इस विभाजनकारी विष बीज का बीजारोपण किया गया।

देश के अंदर राष्ट्रीयता का भाव एवं समाज की एकात्मता की अवधारणा इतनी गहरी थी कि यह षड्यंत्र आंशिक मात्रा में ही सफल हो पाए। मुस्लिम लीग के द्वारा भारत विभाजन के लिए आयोजित डायरेक्ट एक्शन, जिसमे भीषण नरसंहार हुआ एवं 16 हज़ार हिन्दुओं का क़त्लेआम केवल कलकत्ता में ही हुआ था। उसमें जयपाल सिंह मुंडा मुस्लिम लीग का चेहरा पहचान गए थे। वे मुस्लिम लीग से अलग होकर राष्ट्रवादी नेता बने। संविधान सभा में आदिवासी नेता के रूप में चुने गए एवं भारत के लोकतांत्रिक विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जोगेंद्रनाथ मण्डल भी बांग्लादेश में दलितों पर हुए भीषण नरसंहार को देखकर पाकिस्तान सरकार से त्यागपत्र देकर भारत में आकर रहे। दलित समाज के साथ हुए अत्याचार एवं उनकी व्यथा को उनके मंत्री पद से त्याग पत्र देते समय के पत्र से हम समझ सकते हैं। अंत में 1968 में कलकत्ता में उन्होंने अन्तिम सांस ली। आतंकवाद के कारण पंजाब को झुलसते हुए हमने देखा ही है।

आदिवासी, दलित एवं मुस्लिम यह गठजोड़ अस्वाभाविक ही है। यदि यह स्वाभाविक होता तब वर्तमान बांग्लादेशी हिंसा में मरने वाले दलित, आदिवासी एवं बौद्ध अल्पसंख्यक नहीं होते। पाकिस्तान में आदिवासी, दलितों की दुर्दशा न होती।

विभाजन की जो विषवेल अंग्रेजों ने बोयी थी जिसके कारण देश का विभाजन हुआ, समाज में वैमनस्यता आयी। भारत में कुछ दल अज्ञानतावश अथवा राजनीतिक स्वार्थवश उसी बेल की जड़ों को सींचने का प्रयास कर रहे हैं। राजनीतिक पार्टी का आश्रय लेकर तमाम विभाजनकारी शक्तियां नेपथ्य से इसको प्रचारित करने में लगी है। इतिहास से सीख लेकर हम जागरूक रहते हुए इस षड्यंत्र को समझें। हमारी उदासीनता देश के लिए घातक होगी। लोकतंत्र में सरकारों का परिवर्तन स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन सत्ता के स्वार्थ में हम देश विघातक षड्यंत्रों का भाग न बने, यह विवेक प्रत्येक राजनीतिक दल एवं मतदाता को रखना होगा। ■

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं)

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जमैका के प्रधानमंत्री से मुलाकात की

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 'भाजपा को जानें' कार्यक्रम के तहत 1 अक्टूबर, 2024 को नई दिल्ली में जमैका के प्रधानमंत्री महामहिम डॉ. एंड्रयू माइकल होलनेस से मुलाकात की।

श्री नड्डा ने जमैका के प्रधानमंत्री डॉ. एंड्रयू माइकल होलनेस का भारत की पहली राजकीय यात्रा पर स्वागत किया। उन्होंने तूफान बेरिल से प्रभावित जमैका के लोगों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की। इस बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने पिछले दशक में भारत और जमैका के बीच द्विपक्षीय संबंधों में हुई महत्वपूर्ण प्रगति पर विचार-विमर्श किया।

उन्होंने स्वास्थ्य, फार्मा एवं पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा की। श्री नड्डा ने भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक ढांचे एवं गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी। दोनों नेताओं ने भारतीय जनता पार्टी और जमैका लेबर पार्टी के बीच आदान-प्रदान बेहतर बनाकर पार्टी-दर-पार्टी संबंधों को मजबूत करने पर सहमति जताई, जिससे एक गहरी साझेदारी और आपसी समझ को बढ़ावा मिलेगा। बैठक के दौरान श्री नड्डा के साथ भाजपा

के विदेश मामलों के विभाग के प्रभारी डॉ. विजय चौथाईवाले भी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर जमैका के प्रधानमंत्री महामहिम डॉ. एंड्रयू माइकल होलनेस भारत की राजकीय यात्रा पर आये थे। ■

'महात्मा गांधी के आदर्शों पर चल रहे हैं प्रधानमंत्री मोदी'

महात्मा गांधी की पौत्री ने गांधी जी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दोनों के साथ अपने अनुभवों को बयान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की राष्ट्रीय मुद्दों को लेकर समझ एवं विकास के प्रति उनका समर्पण गांधी जी के आदर्शों के अनुरूप है। उनका कहना है कि मोदी की नीतियां एवं कार्य गांधी जी द्वारा भारत के लिए देखे गए बदलाव के स्वप्न को मूर्त रूप दे रहे हैं

सुमित्रा गांधी कुलकर्णी

महात्मा गांधी, या जैसाकि मैं उन्हें पुकारती हूं बापूजी, मेरे दादा थे। मुझे 19 वर्ष की आयु तक उनके साथ रहने का सौभाग्य मिला। इस साल, मैं 95 वर्ष की हो गयी हूं और मुझे प्रधानमंत्री मोदी एवं गांधीजी के बारे में अपने विचार लिखने की इच्छा महसूस हो रही थी, ताकि आने वाली पीढ़ियां गांधीजी के परिवार के किसी ऐसे सदस्य के विचार जानना चाहेंगी, जिसे एक वयस्क के तौर पर दोनों के साथ रहने का मौका मिला हो।

नरेन्द्रभाई के साथ मेरा जुड़ाव आपातकाल के चुनौतीपूर्ण दौर में हुआ। नरेन्द्रभाई उस समय आरएसएस के एक युवा एवं उर्जावान प्रचारक थे। 1970 के दशक में 'सांप्रदायिकता' हमारे राष्ट्रीय ताने-बाने को नुकसान पहुंचा रही थी। गुजरात से राज्यसभा सदस्य के रूप में मैं पाकिस्तान से भारी घुसपैठ के कारण सीमावर्ती जिलों में हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तन से बहुत चिंतित थी। असम में घुसपैठ की समस्या और भी अधिक व्यापक थी।

मेरी पार्टी कांग्रेस में किसी ने भी इस मुद्दे पर गंभीरता से नहीं लिया, लेकिन मुझे अच्छी तरह याद है कि कैसे नरेन्द्रभाई उस छोटी सी उम्र में भी ऐसे मामलों को लेकर चिंतित रहा करते थे। वह स्वाभाविक ही राष्ट्रीय मुद्दों के प्रति प्रतिबद्ध थे एवं तात्कालिक राजनीति के प्रलोभनों के बावजूद वह अपने मार्ग पर अडिग रहे।

इस दौरान वह ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों जैसे व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वच्छ पेयजल एवं परिवार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल को लेकर चिंतित थे । इसी क्रम में प्रधानमंत्री बनने के तुरंत बाद उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में 'राष्ट्रीय स्वच्छता' की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने 'स्वच्छ भारत' अभियान शुरू किया, जिससे स्वच्छता मानकों में सुधार हुआ और साथ ही पूरे भारत में महिलाओं को गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार प्राप्त हुआ।

मेरे दादाजी 'जन आंदोलन ' में विश्वास करते थे - लोगों का आंदोलन स्थायी सामाजिक परिवर्तन का आधार है। नरेन्द्रभाई का 'सबका' शब्द पर अटूट विश्वास है— जैसे 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास ' और विकसित भारत। यह उनके लिए महज चर्चा का विषय नहीं हैं। यह उन्हें प्रेरणा देते हैं।

कोविड-19 महामारी के दौरान उनका 'मानवता सर्वप्रथम' सिद्धांत केवल देश की सीमाओं तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरी दुनिया को इसका लाभ मिला। फिर उन्होंने धारा के विपरीत जाकर अनुच्छेद 370 जैसे प्रावधान को हटाने का साहस दिखाया। वे व्यवस्थित रूप से उस एजेंडे को पूरा कर रहे हैं जिसे स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद पूरा किया जाना चाहिए था। सीएए इसका एक अन्य उदाहरण है।

> **कोविड-19 महामारी के दौरान उनका 'मानवता सर्वप्रथम' सिद्धांत केवल देश की सीमाओं तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरी दुनिया को इसका लाभ मिला। फिर उन्होंने धारा के विपरीत जाकर अनुच्छेद 370 जैसे प्रावधान को हटाने का साहस दिखाया। वे व्यवस्थित रूप से उस एजेंडे को पूरा कर रहे हैं जिसे स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद पूरा किया जाना चाहिए था। सीएए इसका एक अन्य उदाहरण है**

सनातन धर्म की इस महान भूमि पर राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त करने में शिरडी के साईं नाथ और श्री रमण महर्षि जैसे कई गुरुओं की आध्यात्मिक शक्ति के उपयोग से हमें प्रेरणा मिलती रहेगी। गांधीजी इसके अगुआ बने। यह कोई संयोग नहीं है कि दशकों बाद नरेन्द्रभाई हमें औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त करने का प्रयास कर रहे हैं।

स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए द्वितीय संघर्ष

मेरे दादाजी हमेशा कहा करते थे, 'दुनिया में जो बदलाव आप देखना चाहते हैं, उसके पुरोधा आप स्वयं बनें।' आरएसएस कार्यकर्ता से लेकर भारत के प्रधानमंत्री तक नरेन्द्रभाई की यात्रा को करीब से देखने के बाद मैं निःसंदेह होकर यह बात कह सकती हूं कि वह उस बदलाव का प्रतीक हैं, जिसकी अभिलाषा

हम सभी को अपने प्यारे 'भारत' के लिए है।

बापूजी और नरेन्द्रभाई के बीच सबसे खास समानता यह है कि इन दोनों के सार्वजनिक जीवन को प्रभावित करने वाला मूल कारक हमारे सनातन धर्म का आध्यात्मिक पहलू है। यह दोनों ही स्थितप्रज्ञ हैं - जो प्रशंसा और आलोचना दोनों से प्रभावित नहीं होते हैं। ऐसा व्यक्ति जानता है कि अंततः सत्य की जीत होती है और इसलिए वह धैर्यपूर्वक इसका इंतजार करते हैं। इस बात को नरेन्द्रभाई पर होने वाले राजनीतिक हमलों पर उनकी खामोशी से समझा जा सकता है। यह राजऋषि का लक्षण है।

हमारे शास्त्रों के अनुसार धर्म की पुनर्स्थापना से पहले हमेशा मंथन होता है। इस मंथन का पहला परिणाम नकारात्मकता होती है और ये नकारात्मक शक्तियां सत्य का विरोध करती हैं। राजनीतिक लाभ के लिए राष्ट्रीय हितों से भी समझौता किया जाता है।

ऐसी परिस्थितियों में एक ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता होती है, जिसकी सत्ता में कोई रुचि न हो तथा जो भ्रष्टाचार से परे हो, एवं जो गरीबों और राष्ट्र के हितों को अन्य सभी चीजों से ऊपर रखे।

यदि आज बापूजी जीवित होते तो वह नरेन्द्रभाई के बहुत बड़े समर्थक होते। साथ ही, बापूजी वह पहले व्यक्ति होते जो, हमें उन लोगों के बारे में चेतावनी देते, जो उनके नाम का दुरुपयोग करते हैं और जिन्होंने अपने राजनीतिक हितों के लिए हमें विभाजित करना अपने जीवन का मिशन बना लिया है।

नरेन्द्रभाई के कई आलोचकों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि उन्होंने गांधीजी के आदर्शों को आधुनिक भारत के विकास एजेंडे में शामिल करके उन्हें पुनर्जीवित कर दिया है। राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत राज्य की नीति बन गए हैं। ऐसा करके उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि गांधीजी की विरासत हमारे राष्ट्र के मानस में दृढ़तापूर्वक एवं निरंतर रूप से समाहित होती रहे।

नरेन्द्रभाई को भी जनता की कसौटी पर खरा उतरना होगा, लेकिन, जैसाकि भगवान कृष्ण ने अर्जुन से कहा था, महत्वपूर्ण बात यह है कि आप अपना काम करते रहें और परिणाम सत्य पर छोड़ दें - जो अंततः जीतेगा। मुझे विश्वास है कि इतिहास अंततः बापूजी और नरेन्द्रभाई दोनों के साथ न्याय करेगा। ■

(लेखिका महात्मा गांधी की पौत्री हैं)

श्रद्धांजलि

रतन टाटा नहीं रहे

प्रख्यात उद्योगपति श्री रतन टाटा का 09 अक्टूबर, 2024 को देहांत हो गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया। श्री मोदी ने कहा कि श्री टाटा दूरदर्शी उद्योगपति, दयालु व असाधारण इंसान थे, जिन्होंने अपनी विनम्रता, दयालुता और हमारे समाज को बेहतर बनाने के लिए अटूट प्रतिबद्धता के कारण कई लोगों के बीच अपनी जगह बनाई।

'एक्स' पर एक पोस्ट में श्री मोदी ने लिखा, "श्री रतन टाटा जी एक दूरदर्शी उद्योगपति, एक दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे। उन्होंने भारत के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित व्यापारिक घरानों में से एक को स्थिर नेतृत्व प्रदान किया। साथ ही, उनका योगदान बोर्डरूम से कहीं आगे तक गया। उन्होंने अपनी विनम्रता, दयालुता और हमारे समाज को बेहतर बनाने के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता के कारण कई लोगों के बीच अपनी जगह बनाई।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री रतन टाटा जी के सबसे अनोखे पहलुओं में से एक बड़ा सपना देखने और दूसरों को कुछ देने को लेकर उनका जुनून था। वे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता, पशु कल्याण जैसे मुद्दों को आगे बढ़ाने में सबसे आगे थे।

उन्होंने कहा कि मेरा मन श्री रतन टाटा जी के साथ अनगिनत मुलाकातों से भरा हुआ है। जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था, तब मैं उनसे अक्सर मिलता था। हम विभिन्न मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करते थे। मुझे उनके विचार बहुत समृद्ध करने वाले लगे। मेरे दिल्ली आने के बाद भी बातचीत का सिलसिला जारी रहा। उनके निधन से मैं अत्यंत दुःखी हूं। दुःख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाए उनके परिवार, मित्रों और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति।

रतन टाटा जी के निधन से बहुत दुःख हुआ: जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने श्री रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए 'एक्स' पर लिखा, "भारतीय उद्योग जगत के शिखर पुरुष और परोपकार के प्रतीक श्री रतन टाटा जी के निधन से बहुत दुःख हुआ। उद्योग और समाज में उनके उल्लेखनीय योगदान ने हमारे देश और दुनिया पर अमिट छाप छोड़ी है। वह न केवल एक व्यावसायिक आइकन थे, बल्कि विनम्रता, ईमानदारी और करुणा के प्रतीक भी थे। इस भारी क्षति की घड़ी में हम उनके परिवार, मित्रों और उन सभी लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं, जिनके जीवन को उन्होंने स्पर्श किया। उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। ओम शांति।" ■

प्रधानमंत्री ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का किया शुभारंभ

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान 5 करोड़ से अधिक आदिवासी लोगों को लाभान्वित करते हुए लगभग 63,000 गांवों को कवर करेगा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दो अक्टूबर को झारखंड के हजारीबाग में 80,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। साथ ही, देश भर में आदिवासी समुदायों के व्यापक और समग्र विकास को सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रधानमंत्री ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान भी शुरू किया।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान 30 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 549 जिलों और 2,740 ब्लॉकों में 5 करोड़ से अधिक आदिवासी लोगों को लाभान्वित करते हुए लगभग 63,000 गांवों को कवर करेगा। इसका उद्देश्य भारत सरकार के विभिन्न 17 मंत्रालयों और विभागों द्वारा कार्यान्वित 25 क्रियाकलापों के माध्यम से सामाजिक आधारभूत संरचना, स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका में महत्वपूर्ण अंतराल को पूरा करना है।

आदिवासी समुदायों के लिए शैक्षिक इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए श्री मोदी ने 40 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) का उद्घाटन किया और 2,800 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले 25 ईएमआरएस की आधारशिला रखी।

प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) के तहत 1360 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसमें 1380 किलोमीटर से अधिक सड़कें, 120 आंगनवाड़ी, 250 बहुउद्देश्यीय केंद्र और स्कूलों के 10 छात्रावास शामिल हैं। इसके अलावा, उन्होंने पीएम जनमन के तहत कई ऐतिहासिक उपलब्धियों का भी अनावरण किया, जिसमें लगभग 3,000 गांवों में 75,800 से अधिक विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के घरों का विद्युतीकरण, 275 मोबाइल चिकित्सा इकाइयों का संचालन, 500 आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन, 250 वन धन विकास केंद्रों की स्थापना और 5,550 से अधिक पीवीटीजी गांवों को 'नल से जल' से परिपूर्ण करना शामिल है। ■

केंद्र सरकार ने मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने क्षेत्र में शहरी गतिशीलता को बढ़ावा देने पर मुख्य ध्यान देने के लिए पांच अक्टूबर को महाराष्ट्र के ठाणे में 32,800 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि केंद्र सरकार ने मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है और इस बात पर जोर दिया कि यह केवल महाराष्ट्र और मराठी भाषा के प्रति सम्मान नहीं है, बल्कि उस परंपरा का सम्मान है जिसने भारत को ज्ञान, दर्शन, अध्यात्म और साहित्य

की समृद्ध संस्कृति दी है। श्री मोदी ने दुनिया भर के सभी मराठी भाषियों को बधाई दी।

क्षेत्र में शहरी गतिशीलता को तेजी देने के लिए एक बड़े प्रयास के तौर पर प्रधानमंत्री ने प्रमुख मेट्रो और सड़क परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। श्री मोदी ने लगभग 14,120 करोड़ रुपये की लागत वाली मुंबई मेट्रो लाइन-3 के बीकेसी से आरे जेवीएलआर सेक्शन का उद्घाटन किया। इस सेक्शन में 10 स्टेशन होंगे, जिनमें से 9 भूमिगत होंगे। मुंबई मेट्रो लाइन-3 एक प्रमुख सार्वजनिक परिवहन परियोजना है, जो मुंबई शहर और उपनगरों के बीच आवागमन को सुधारेगी। पूरी तरह से चालू लाइन-3 से प्रतिदिन लगभग 12 लाख यात्रियों को सेवा मिलने का अनुमान है।

प्रधानमंत्री ने करीब 12,200 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित ठाणे इंटीग्रल रिंग मेट्रो रेल परियोजना की आधारशिला रखी। परियोजना की कुल लंबाई 29 किलोमीटर है, जिसमें 20 एलिवेटेड और 2 भूमिगत स्टेशन हैं। यह महत्वाकांक्षी इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना महाराष्ट्र के एक प्रमुख औद्योगिक और वाणिज्यिक केंद्र ठाणे में बढ़ती परिवहन आवश्यकताओं को पूरा करने के प्रति एक महत्वपूर्ण पहल है।

श्री मोदी ने छेड़ा नगर से आनंद नगर, ठाणे तक लगभग 3,310 करोड़ रुपये की लागत वाले एलिवेटेड ईस्टर्न फ्रीवे एक्सटेंशन की आधारशिला भी रखी। यह परियोजना दक्षिण मुंबई से ठाणे तक निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। ■

भारत व्यापक लोक कल्याण के लिए अपने डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को साझा करने के लिए तैयार: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 21-23 सितंबर के दौरान अमेरिका की तीन दिवसीय सफल यात्रा की। इस यात्रा के दौरान श्री मोदी ने वैश्विक भू-राजनीतिक संकटों, विवादों समेत अनेक तात्कालिक व दीर्घकालिक समस्याओं पर कई द्विपक्षीय व बहुपक्षीय वार्ताएं की तथा प्रमुख वैश्विक नेताओं से मुलाक़ात भी की

प्रधानमंत्री का 'समिट ऑफ द फ्यूचर' में संबोधन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 23 सितंबर को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में 'समिट ऑफ द फ्यूचर' को संबोधित किया। इस शिखर सम्मेलन का विषय 'बेहतर कल के लिए बहुपक्षीय समाधान' है। शिखर सम्मेलन में बड़ी संख्या में विश्व के नेताओं ने भागीदारी की।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने भावी पीढ़ियों के लिए एक चिरस्थायी दुनिया को आकार देने के भारत के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। ग्लोबल साउथ के देशों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत को उनके साथ अपने विकास के अनुभवों को साझा करने का सौभाग्य मिला है। श्री मोदी ने प्रौद्योगिकी के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देने हेतु संतुलित नियमों का आह्वान किया और कहा कि भारत व्यापक लोक कल्याण के लिए अपने डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को साझा करने के लिए तैयार है।

क्वाड शिखर सम्मेलन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 21 सितंबर को विलमिंगटन, डेलावेयर में क्वाड नेताओं के छठे शिखर सम्मेलन में भाग लिया। इस महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन अमरीका के राष्ट्रपति श्री जोसेफ आर. बाइडेन ने किया था। शिखर सम्मेलन में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री श्री एंथनी अल्बानीज़ और जापान के प्रधानमंत्री श्री फुमियो किशिदा भी शामिल हुए।

श्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि इस समय दुनिया तनाव एवं संघर्ष से ग्रस्त है और ऐसी विषम परिस्थितियों में साझा लोकतांत्रिक विचारों तथा मूल्यों के साथ क्वाड भागीदार देशों का एक साथ एक मंच पर आना मानवता के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रमुख वैश्विक नेताओं से मुलाक़ात

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने डेलावेयर में क्वाड शिखर सम्मेलन के मौके पर संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति श्री जोसेफ बाइडेन से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने भारत-अमेरिका साझेदारी को गति देने में राष्ट्रपति बाइडेन के असाधारण योगदान की सराहना की। श्री मोदी ने 22 सितंबर को नेपाल के प्रधानमंत्री श्री के.पी. शर्मा ओली से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत और नेपाल के बीच विशिष्ट और घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की।

श्री मोदी ने 21 सितंबर को जापान के प्रधानमंत्री श्री फुमियो किशिदा से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने पिछले कुछ वर्षों में भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी की दिशा में प्रगति को सक्षम बनाने के प्रति प्रधानमंत्री श्री किशिदा के अटूट समर्पण और नेतृत्व के लिए उनका आभार प्रकट किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री श्री एंथनी अल्बानीज़ ने क्वाड शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात की। श्री मोदी ने 23 सितंबर को यूक्रेन के राष्ट्रपति श्री वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ अलग से द्विपक्षीय बैठक भी की।

अमरीका ने भारत को 297 पुरावशेष वस्तुएं वापस कीं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अमरीका की यात्रा के अवसर पर अमरीकी पक्ष ने भारत से चोरी की गयी अथवा तस्करी के माध्यम से ले जायी गयी 297 प्राचीन वस्तुओं की वापसी में सहायता की है। इन्हें शीघ्र ही भारत को वापस लौटा दिया जाएगा।

न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय को संबोधन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय समुदाय की एक विशाल सभा को संबोधित किया। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका के संबंध दो महान लोकतंत्रों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले भारतीय अमेरिकी समुदाय द्वारा प्रभावशाली रूप से समृद्ध हैं। ■

मोदी स्टोरी

मोदी जी का सरल एवं सादगीपूर्ण जीवन जीने का तरीका

—गोकुल कुन्नाथ, एनआरआई, अटलांटा (अमेरिका)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अपने जीवन के शुरुआती दिनों से ही सादगीपूर्ण जीवन जीने के लिए जाने जाते हैं। वे सादगीपूर्ण जीवनशैली में विश्वास करते हैं। यह गुण उनकी युवावस्था के दौरान भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता था, यह खासकर उनकी यात्राओं के दौरान भी देखने को मिलता था।

श्री नरेन्द्र मोदी वर्ष 1997 में भारतीय प्रवासियों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए अमेरिका गए थे। उस समय वह भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री का दायित्व निभा रहे थे। इस यात्रा के दौरान श्री मोदी की मुलाकात अटलांटा में रहने वाले एनआरआई श्री गोकुल कुन्नाथ से हुई।

श्री कुन्नाथ अटलांटा हवाई अड्डे पर श्री मोदी को लेने गए थे। जैसे कि अन्य लोग उम्मीद कर रहे थे कि श्री मोदी यहां लंबे समय तक रुकने वाले हैं, ऐसा ही सोचते हुए श्री कुन्नाथ ने भी माना कि श्री मोदी बहुत सारा सामान लेकर आए होंगे। हालांकि, उन्हें आश्चर्य हुआ कि श्री मोदी केवल एक छोटे ब्रीफकेस के आकार का बैग लेकर आ रहे थे।

श्री कुन्नाथ को लगा कि बाकी सामान अभी भी एयरलाइन से आ रहा होगा। जब उन्होंने पूछा कि क्या सामान रास्ते में है, तो श्री मोदी ने शांति से जवाब दिया, "कोई अन्य सामान नहीं है। यात्रा के लिए मेरे पास बस इतना ही है।"

इस पल ने श्री कुन्नाथ पर अमिट छाप छोड़ी। यह श्री नरेन्द्र मोदी की सादगी भरी जीवनशैली को दर्शाता है - जो सादगी से कहीं बढ़कर है। एक प्रचारक के अनुशासन को दर्शाता है, जो बिना किसी अतिशयता के जीवन जीते हैं। श्री गोकुल कुन्नाथ कहते हैं कि यह दृष्टिकोण आज भी भारत के प्रधानमंत्री के रूप में श्री नरेन्द्र मोदी के जीवन को परिभाषित करता है। ■

कमल पुष्प

सेवा, समर्पण, त्याग, संघर्ष एवं बलिदान

श्री कम्मला रामप्पा

श्री कम्मला रामप्पा अनंतपुर, आंध्र प्रदेश के निवासी थे और उनका जुड़ाव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से रहा था, इसी क्रम में वह बाद में भाजपा के साथ जुड़े। उन्होंने पार्टी के लिए ग्रामीण स्तर से लेकर आम जनता के बीच काम किया और पार्टी के वरिष्ठ लोगों के बीच अपनी पहचान बनाई।

श्री कम्मला रामप्पा ने पार्टी में कई प्रमुख दायित्वों का निर्वहन किया और वह दो बार जिला मंत्री रहे। ■

श्रीमती जुपुडी हिमावती

आंध्र प्रदेश के गुंटूर की निवासी श्रीमती जुपुडी हिमावती का जुड़ाव भारतीय जनसंघ से रहा और वह जनसंघ के सभी कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेती रहीं।

उन्होंने आंध्र प्रदेश में भारतीय जनसंघ की महिला शाखा के विस्तार के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने पार्टी में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दीं और अपने क्षेत्र के विकास में योगदान दिया। वह विशेष आंध्र आंदोलन में सक्रिय भागीदार रहीं और प्रदेश उपाध्यक्ष के तौर पर अपने दायित्व का निर्वहन किया। ■

अमेरिकी सरकार ने भारत को करीब 300 प्राचीन कलाकृतियों को वापस लौटाया: नरेन्द्र मोदी

चार हजार साल पुरानी कलाकृतियों से लेकर 19वीं सदी तक की कलाकृतियों को अमेरिका ने वापस किया है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' की 114वीं कड़ी में 29 सितंबर को कहा कि आज का ये एपिसोड मुझे भावुक करने वाला है, मुझे बहुत सी पुरानी यादों से घेर रहा है। कारण ये है कि 'मन की बात' की हमारी इस यात्रा को 10 साल पूरे हो रहे हैं। 10 साल पहले 'मन की बात' का प्रारंभ 3 अक्टूबर को विजयादशमी के दिन हुआ था और ये कितना पवित्र संयोग है कि इस साल 3 अक्टूबर को जब 'मन की बात' के 10 वर्ष पूरे होंगे, तब नवरात्रि का पहला दिन होगा।

श्री मोदी ने कहा कि 'मन की बात' के श्रोता ही इस कार्यक्रम के असली सूत्रधार हैं। आमतौर पर एक धारणा ऐसी घर कर गई है कि जब तक चटपटी बातें न हो, नकारात्मक बातें न हो तब तक उसको ज्यादा तवज्जो नहीं मिलती है, लेकिन 'मन की बात' ने साबित किया है कि देश के लोगों में पॉजिटिव जानकारी की कितनी भूख है।

उन्होंने कहा कि 'मन की बात' में हमने देखा कि लोग भी चकोर पक्षी की तरह देश की उपलब्धियों को, लोगों की सामूहिक उपलब्धियों को कितने गर्व से सुनते हैं। 'मन की बात' की 10 वर्ष की यात्रा ने एक ऐसी माला तैयार की है, जिसमें हर एपिसोड के साथ नई गाथाएं, नए कीर्तिमान, नए व्यक्तित्व जुड़ जाते हैं। हमारे समाज में सामूहिकता की भावना के साथ जो भी काम हो रहा हो, उन्हें 'मन की बात' के द्वारा सम्मान मिलता है।

'मन की बात' के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हम सभी को अपनी विरासत पर बहुत गर्व है और मैं तो हमेशा कहता हूं 'विकास भी-विरासत भी'। यही वजह है कि मुझे हाल की अपनी अमेरिका यात्रा के एक खास पहलू को लेकर बहुत सारे संदेश मिल रहे हैं। एक बार फिर हमारी प्राचीन कलाकृतियों की वापसी को लेकर बहुत चर्चा हो रही है।

श्री मोदी ने कहा कि अमेरिका की मेरी यात्रा के दौरान अमेरिकी सरकार ने भारत को करीब 300 प्राचीन कलाकृतियों को वापस लौटाया है। अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडेन ने पूरा अपनापन दिखाते हुए डेलावेयर (Delaware) के अपने निजी आवास में इनमें से कुछ कलाकृतियों को मुझे दिखाया।

उन्होंने कहा कि लौटाई गईं कलाकृतियां टेराकोटा, स्टोन, हाथी के दांत, लकड़ी, तांबा और कांसे जैसी चीजों से बनी हुई हैं। इनमें से कई तो चार हजार साल पुरानी हैं। चार हजार साल पुरानी कलाकृतियों से लेकर 19वीं सदी तक की कलाकृतियों को अमेरिका ने वापस किया है।

देश में लगभग बीस हजार भाषाएं और बोलियां

श्री मोदी ने कहा कि हमारे देश में लगभग बीस हजार भाषाएं और बोलियां हैं और ये सब की सब किसी-न-किसी की तो मातृ-भाषा है ही हैं। कुछ भाषाएं ऐसी हैं जिनका उपयोग करने वालों की संख्या बहुत कम है, लेकिन आपको यह जानकर खुशी होगी कि उन भाषाओं को संरक्षित करने के लिए आज अनोखे प्रयास हो रहे हैं। ऐसी ही एक भाषा है हमारी 'संथाली' भाषा। 'संथाली' को डिजिटल इनोवेशन की मदद से नई पहचान देने का अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि जब हमारे दृढ़ संकल्प के साथ सामूहिक भागीदारी का संगम होता है तो पूरे समाज के लिए अदभुत नतीजे सामने आते हैं। इसका सबसे ताज़ा उदाहरण है 'एक पेड़ मां के नाम'। ये अभियान अदभुत अभियान रहा, जन-भागीदारी का ऐसा उदाहरण वाकई बहुत प्रेरित करने वाला है।

श्री मोदी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर शुरू किये गए इस अभियान में देश के कोने-कोने में लोगों ने कमाल कर दिखाया है। उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना ने लक्ष्य से अधिक संख्या में पौधारोपण कर नया रिकार्ड बनाया है। इस अभियान के तहत उत्तर प्रदेश में 26 करोड़ से ज्यादा पौधे लगाए गए। गुजरात के लोगों ने 15 करोड़ से ज़्यादा पौधे रोपे। राजस्थान में केवल अगस्त महीने में ही 6 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए हैं। देश के हजारों स्कूल भी इस अभियान में जोर-शोर से हिस्सा ले रहें हैं। ■

प्रधानमंत्री ने शतरंज ओलंपियाड विजेताओं से की बातचीत

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 26 सितंबर को अपने आवास पर शतरंज ओलंपियाड के विजेताओं से बातचीत की। मिशन प्रमुख दिब्येंदु बरुआ ने प्रधानमंत्री का ध्यान इस ओर दिलाया कि भारत ने पहली बार इन प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया कि पहली बार लड़कों की टीम ने 22 अंकों में से 21 अंक हासिल किए, लड़कियों की टीम ने 22 अंकों में से 19 अंक हासिल किए और दोनों टीमों ने मिलकर कुल 44 अंकों में से 40 अंक हासिल किए।

प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि हमारे देश के युवाओं में अपार क्षमता है। श्री मोदी ने तनाव से उबरने के बारे में खिलाड़ियों के एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि व्यक्ति को शारीरिक रूप से फिट रहना चाहिए और ऐसी आदतें अपनानी चाहिए जिससे प्रदर्शन में सुधार हो। उन्होंने कहा, "अच्छे निर्णय लेने के लिए आपको बहुत सारी जानकारी की आवश्यकता होती है— सकारात्मक और नकारात्मक दोनों। यह मानव स्वभाव है कि वह केवल वही सुनना चाहता है जो सुखद हो, लेकिन इससे निर्णयों में गलतियां हो सकती हैं।"

श्री मोदी ने सभी प्रकार की सूचनाओं का विश्लेषण करने, विभिन्न दृष्टिकोणों को समझने, विशेषज्ञों से परामर्श करने और बिना जल्दबाजी के निर्णय लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा, "इससे आपको चुनौतियों से निपटना आसान लगेगा। कुछ चीजें अनुभव के साथ आती हैं और जैसाकि मैंने पहले कहा है कि योग और ध्यान में वास्तविक शक्ति है।"

श्री मोदी ने कहा कि कभी भी किसी चीज से संतुष्ट नहीं होना चाहिए, क्योंकि इससे आत्मसंतुष्टि आने लगती है। उन्होंने कहा, "हमारे अंदर हमेशा कुछ नया करने और अधिक करने की भूख होनी चाहिए।"

दिब्येंदु बरुआ ने प्रधानमंत्री को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और भारत के लिए दो ऐतिहासिक स्वर्ण पदकों की घोषणा पर खुशी व्यक्त की। अंत में श्री मोदी ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके साथ अपना संवाद कार्यक्रम समाप्त किया। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

न्यूयॉर्क (अमेरिका) में 22 सितंबर, 2024 को
एक सामुदायिक कार्यक्रम में भाग लेते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

न्यूयॉर्क में 22 सितंबर, 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का
गर्मजोशी से स्वागत करते भारतीय समुदाय के सदस्यगण

26 सितंबर, 2024 को तीन परम रुद्र सुपर कंप्यूटिंग सिस्टम एवं मौसम और
जलवायु अनुसंधान के लिए तैयार उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) प्रणाली के
उद्घाटन अवसर पर लोगों को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

वाशिम (महाराष्ट्र) में 05 अक्टूबर, 2024 को बंजारा विरासत संग्रहालय
के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

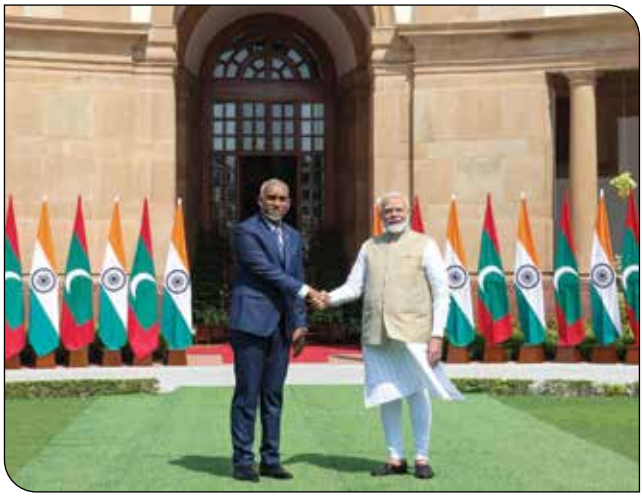

हैदराबाद हाउस (नई दिल्ली) में 07 अक्टूबर, 2024 को मालदीव के
राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू से मुलाकात करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नवयुग स्कूल (नई दिल्ली) में 02 अक्टूबर, 2024 को गांधी जयंती के
अवसर पर 'स्वच्छ भारत अभियान' में भाग लेते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश

अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध

लॉग इन करें:

www.kamalsandesh.org

राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथिः (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघरः लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
प्रकाशन तिथिः 19 अक्टूबर, 2024
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह